P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 11 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 141

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

हेलमेट के बहाने यातायात सुधार बन रहा है दिवास्वप्न

अक्षय की बात
अपनों के साथ

इंदौर जो स्वच्छता में देश का सिरमौर बन चुका है, वहीं यातायात व्यवस्था के मामले में लगातार सवालों के घेरे में है। शहर की सड़कों पर बढ़ता दबाव, अव्यवस्थित पार्किंग, अतिक्रमण और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी—ये सब मिलकर एक ऐसी तस्वीर पेश करते हैं, जहां सुधार के प्रयास कागज़ों तक सीमित नजर आते हैं। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस का सारा जोर केवल हेलमेट चेकिंग और चालान काटने तक सीमित हो जाना कई सवाल खड़े करता है।

निश्चित रूप से हेलमेट पहनना सुरक्षा के लिहाज से बेहद जरूरी है। यह न केवल कानून का पालन है, बल्कि जीवन रक्षा का सबसे सरल उपाय भी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल हेलमेट पर चालान काटने से ही यातायात सुधर जाएगा? क्या यह एक व्यापक समस्या का बेहद संकीर्ण समाधान नहीं है?

इंदौर की सड़कों पर नज़र डालें तो असली समस्याएं कहीं और दिखाई देती हैं—चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल का सही संचालन नहीं, मुख्य मार्गों पर अवैध पार्किंग, ठेले-गुमटियों का अतिक्रमण, और सबसे बड़ी बात—ट्रैफिक पुलिस की सीमित उपस्थिति। इन मुद्दों पर ठोस कार्रवाई के बजाय हेलमेट चेकिंग अभियान चलाना कहीं न कहीं 'आसान लक्ष्य' साधने जैसा लगता है। जनता के बीच यह धारणा भी तेजी से बन रही है कि चालान अभियान का उद्देश्य यातायात सुधार से ज्यादा राजस्व बढ़ाना है। रोजाना हजारों की संख्या में चालान काटे जा रहे हैं, लेकिन क्या इसके समानांतर ट्रैफिक व्यवस्था में कोई ठोस सुधार दिख रहा है? जवाब अक्सर नकारात्मक ही मिलता है।

यह भी देखने में आता है कि जहां नियमों का सबसे ज्यादा उल्लंघन होता है—जैसे बिना नंबर प्लेट के वाहन, ओवरलोडिंग, गलत दिशा में चलना—वहां कार्रवाई अपेक्षाकृत कम होती है। ऐसे में केवल हेलमेट को ही लक्ष्य बनाना व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

जरूरत इस बात की है कि प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस 'इच्छाशक्ति' दिखाए और समग्र दृष्टिकोण अपनाए। यातायात सुधार एक बहुआयामी चुनौती है, जिसका समाधान केवल चालान काटने में नहीं, बल्कि बेहतर प्रबंधन और सख्त क्रियान्वयन में छिपा है। अंततः, यह समझना होगा कि हेलमेट चालान 'उपाय' है, 'उद्देश्य' नहीं। यदि इसे ही मुख्य रणनीति बना लिया गया, तो न तो यातायात सुधरेगा और न ही जनता का भरोसा कायम रह पाएगा। प्रशासन को यह तय करना होगा कि वह सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देना चाहता है या फिर चालान के जरिए राजस्व बढ़ाना—क्योंकि दोनों के बीच की रेखा अब जनता को साफ नजर आने लगी है।

न्यूज ब्रीफ

- कर्नाटक में कैबिनेट बर्थ को लेकर खींचतान, कांग्रेस के 35 विधायक रविवार को दिल्ली पहुंचेंगे
- सीएम योगी आज बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिंदू परिवारों को भूमिधारी अधिकार पत्र सौंपेंगे
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बंगाल में तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे
- यूपी एटीएस ने संदिग्ध आतंकी आकिब के दो साथियों को बिजनौर से गिरफ्तार किया
- आर्टेमिस II मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों ने दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के तट के पास समुद्र में लैंडिंग की

प्रदेश में राज्यसभा की 3 नहीं 4 सीटों पर हो सकता है चुनाव !

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें खाली होना तय हैं लेकिन एक चौथी सीट भी है जो 4 मई के बाद खाली हो सकती है। राज्यसभा में मप्र का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन तमिलनाडु और जार्ज कुरियन कांजीरापल्ली (केरल) विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। कुरियन का कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो गया। मुरुगन यदि चुनाव जीते तो राज्यसभा में उनकी सीट भी खाली हो जाएगी। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक के लिए है।

राज्यसभा में मप्र का प्रतिनिधित्व कर रहे मोदी कैबिनेट के दोनों सदस्य कुरियन और डॉ. मुरुगन के चुनाव का फैसला 4 मई को होगा। डॉ. मुरुगन का राज्यसभा में कार्यकाल अभी 4 साल शेष है। मप्र से वह दूसरी बार उच्च सदन में गए हैं। विधानसभा चुनाव में उनकी जीत-हार के बाद ही मप्र से राज्यसभा की चौथी सीट पर चुनाव की तस्वीर स्पष्ट होगी।

कुरियन: मोदी के भाषण का ट्रांसलेशन कर आए सुर्खियों में तिरवनंतपुरम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का ट्रांसलेशन कर सुर्खियों में आए सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट जार्ज कुरियन केरल की कांजीरापल्ली विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में केरल के मुख्यमंत्री ओमन चांडी से चुनाव हार गए थे। बाद में वह मप्र से राज्यसभा में भेजे गए।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा की सीट पर कुरियन को उच्च सदन में भेजा गया था। भाजपा संगठन में वह अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित कई प्रमुख पदों पर रहे। राज्यसभा में उनका कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो गया। इसी दिन उनके क्षेत्र में वोटिंग भी हो गई। अब 4 मई को चुनावी नतीजे के बाद उनकी राजनैतिक भूमिका तय होगी। वैसे सुप्रीम कोर्ट की वकालत के साथ अपने निर्वाचन क्षेत्र पर उनका फोकस है।

टीम मोदी में मिल सकती है मप्र के नेता को एंट्री

4 मई को पांच राज्य के चुनावी नतीजे आने के बाद मप्र के राज्यसभा सदस्य और मोदी कैबिनेट के दो मंत्रियों के हटने पर किसी नए चेहरे को जगह मिल सकती है। इस बात की संभावना भी है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में मप्र के किसी नेता की एंट्री हो जाए। इसके लिए कई वरिष्ठ नेता प्रयासरत हैं प्रदेश के कुछ नेताओं को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन की टीम में भी एडजस्ट किया जाएगा।

दिग्विजय, सोलंकी और कुरियन के बाद मुरुगन

राज्यसभा में मप्र का प्रतिनिधित्व कर रहे दिग्विजय सिंह, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जार्ज कुरियन का कार्यकाल 9 अप्रैल को पूरा हो गया। लेकिन डॉ. मुरुगन विधानसभा का चुनाव जीत गए तो इस बात की संभावना है कि भाजपा उन्हें दक्षिण के तमिलनाडु राज्य में संगठन का जनाधार मजबूत करने का टास्क सौंपे। ऐसी स्थिति में राज्यसभा की चौथी सीट भी खाली हो जाएगी जिसका कार्यकाल 3 अप्रैल 2030 तक है।

मुरुगन तमिलनाडु में 4 बार हारे, क्या इस बार जीत सकेंगे

तमिलनाडु में भाजपा एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। डॉ. मुरुगन को अब तक चुनावी सफलता नहीं मिली। 2011, 2012 के उपचुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 2024 में भी वह लोकसभा चुनाव हार चुके हैं। 23 अप्रैल को अविनाशी सीट पर वोटिंग होगी।

रिकार्ड दुरूस्त होने से अवैध कब्जे हटाने की कार्यवाही होगी तेज

अब जगा नगर निगम : अपनी संपत्तियों का कराएगा भौतिक सत्यापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● निगम के अंतर्गत आने वाले 22 जोन में जमीन, क्युनिटी हॉल, मार्केट, ग्रीन बेल्ट और लीज भूमि आदि का व्यवस्थित रिकॉर्ड संधारित करने के लिए यह भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। शहर में नगर निगम की अचल संपत्तियों का रिकॉर्ड दुरूस्त नहीं है। इसके लिए निगमायुक्त ने अब संपत्तियों का भौतिक सत्यापन करने के लिए जोनवाइज दो अलग-अलग दल बना दिए हैं। साथ ही 7 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। रिकॉर्ड दुरूस्त करने के साथ निगम की संपत्तियों को अतिक्रमण व अवैध कब्जों से मुक्त कराने की कार्रवाई की जाएगी। निगम की समस्त अचल स्पत्तियों का भौतिक सत्यापन करने के लिए निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने जोनवाइज दो दल बनाए हैं।

इस तरह दी जिम्मेदारी- इसके चलते राजस्व विभाग के उपायुक्त केएस सगर को जोन-1 से 11 तक और उपायुक्त प्रदीप जैन को जोन 12 से 22 तक की जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों अफसरों के नेतृत्व में जोन पर तैनात सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर और वार्ड के उपयंत्री निगम की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन करेंगे। करना पड़ रहा है कठिनाई का सामना गौरतलब है कि निगम के अंतर्गत आने वाले 22 जोन में जमीन, क्युनिटी हॉल, मार्केट, ग्रीन बेल्ट और लीज भूमि आदि का व्यवस्थित रिकॉर्ड संधारित करने के लिए यह भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। रिकॉर्ड व्यवस्थित न होने से निगम को जहां कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं निगम स्वामित्व की भूमियों पर अतिक्रमण, अवैध निर्माण और कब्जा होने की स्थिति अलग बन रही है। रिकार्ड में नहीं है जानकारी, इसलिए... ऐसा निगम रिकॉर्ड में जानकारी का अभाव होने की वजह से हो रहा है। इसलिए निगम अपनी समस्त अचल संपत्ति का सत्यापन करा रहा है, निगम की संपत्ति का व्यवस्थित रिकॉर्ड संधारित हो जाए और अतिक्रमण के साथ कब्जे हटाने की कार्रवाई की जा सके।

इस तरह होगा काम-निगम लीज की संपत्तियों का भौतिक सत्यापन कर सूची व जानकारी लीज शाखा से उपयंत्री निकिता पंचरत्न और मार्केट विभाग से संबंधित समस्त अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन कर सूची प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी महेंद्र राठौर द्वारा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश हैं। गठित दल निगम स्वामित्व की समस्त अचल संपत्तियों का सत्यापन 7 दिन के पहले करके रिपोर्ट राजस्व विभाग के अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव को देंगे।

जमीनों के रेट बढ़े

जिले में प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू हो चुकी है। जिले की 2606 लोकेशन पर दरों में वृद्धि की गई है, जिसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी इंदौर-3 क्षेत्र में हुई है। नई गाइडलाइन में 162 नई कॉलोनियों को भी शामिल किया गया है। इन कॉलोनियों को जोड़ने से शहर के नए विकसित क्षेत्रों में प्रॉपर्टी पंजीयन की प्रक्रिया को औपचारिक रूप से शामिल किया जा सकेगा। इससे उन इलाकों में संपत्तियों की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री कराने में लोगों को सुविधा मिलेगी। प्रशासन का कहना है कि गाइडलाइन दरों में बदलाव से राजस्व में भी वृद्धि होगी और संपत्तियों के वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप रजिस्ट्री हो सकेगी। नई दरें लागू होने से जमीन और मकानों की रजिस्ट्री कराने वाले लोगों को उसी के अनुसार शुल्क देना होगा।

पाक पहुंचा ईरानी दल
क्या बातचीत होगी सफल ?

इस्लामाबाद (एजेंसी) ● पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता तनावपूर्ण माहौल में शुरू हो रही है। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा है। ईरान ने लेबनान में पूर्ण युद्धविराम और अरबों डॉलर के फंसे फंड जारी करने जैसी शर्तें रखी हैं, जिसके बिना अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात नहीं होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर चेतावनी दी है। ईरानी विदेश मंत्री और IRGC कमांडरों के बीच मिसाइल प्रोग्राम पर टकराव की खबरें हैं। अमेरिका ने ईरान को चालाकी करने पर कड़ा रुख अपनाने की चेतावनी दी है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगर कालिबाफ ने कहा कि दो अहम शर्तें पूरी होने तक वे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात तक नहीं करेंगे। लेबनान में पूर्ण सीजफायर और ईरान के अरबों डॉलर के फंसे फंड को तत्काल मुक्त करना। शांति वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का विमान अगले करीब एक घंटे में इस्लामाबाद लैंड कर सकता है। ओपन सोर्स फ्लाइट ट्रैकर के मुताबिक उनकी यह स्पेशल फ्लाइट पेरिस से उड़ान भरकर सेंट्रल एशियाई देशों के रास्ते पाकिस्तान आ रही है। सुरक्षा के लिहाज से उनके विमान ने ईरान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया है और वहां से बचकर निकल रहा है। जेडी वेंस की अगुवाई में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ईरान के साथ होने वाली इस अहम बैठक में शामिल होगा। पूरी दुनिया की नजरें इस वक्त उनके विमान की लैंडिंग और उसके बाद शुरू होने वाली बातचीत पर टिकी हैं।

ईरान के मिनाब में एक प्राथमिक स्कूल में कथित तौर पर अमेरिकी हमले में 165 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें बच्चे और स्कूल के कर्मचारी भी शामिल थे। गालिबाफ ने मिनाब स्कूल हमले के पीड़ितों की तस्वीरों के साथ विमान यात्रा कर शांति वार्ता से पहले अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश की है।

सीडीआर लीक मामले में पुलिसकर्मियों पर नजर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने के शक में एटीएस ने क्राइम ब्रांच के दो पुलिसकर्मियों से गहन पूछताछ की है। मामले में दोनों को नोटिस जारी कर बयान लिए गए। हालांकि फिलहाल उन्हें रिहा कर दिया गया है। जांच एजेंसियों को निजी डिटेक्टिव एजेंसी की पड़ताल के दौरान कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर मिले थे। इसी कड़ी में एएसआई और सिपाही का नाम सामने आया, जिनके एजेंसी संचालक से संपर्क होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि नोटिस के बावजूद समय पर पेश नहीं होने पर कर्नाटक एटीएस की टीम इंदौर पहुंची और कार्रवाई तेज की।

पैसे लेने का लगा है आरोप

प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि आम लोगों की निजी जानकारी पैसों के बदले साझा की जा रही थी। हालांकि पुलिस अधिकारियों नेइसे नियमित जांच का हिस्सा बताते हुए किसी भी गिरफ्तारी से इनकार किया है। इधर, पुलिस में 'ऑपरेशन क्लीन' अभियान के तहत विभाग के भीतर भी सख्ती जारी है।

शिकायत पर भड़के मंडी सचिव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की लक्ष्मीबाई नगर अनाज मंडी में समर्थन मूल्य पर गेहूं की सरकारी खरीदी को लेकर किसानों की सुविधा के लिए बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन हकीकत में अपनी उपज बेचने आए किसान पानी के लिए भी तरसे। जब यह शिकायत भोपाल तक पहुंची तो ताबड़तोड़ मंडी सचिव यहां पहुंचे। वहां उन्होंने भड़कते हुए कहा कि किसने शिकायत की है। झूठी शिकायत करने वाले को मैं देख लूंगा। कर्मचारियों से पूछा कितनी कुर्सियां लगाई हैं। कैंटिन संचालकों को हड़काते हुए उन्होंने किसानों के लिए भोजन उपलब्ध करवाने की बात कही।

वंदे मातरम बना बहाना, उजागर कांग्रेस की कलह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के बजट सत्र में हुआ वंदे मातरम् विवाद अब धर्म और राष्ट्रवाद के दायरे से बाहर निकलकर राजनीतिक रूप ले चुका है। ऊपर से यह राष्ट्रीय गीत के सम्मान की लड़ाई दिख रही है, लेकिन इसकी गहराई में कांग्रेस की गुटबाजी और नगर निगम की सत्ता से जुड़ी बड़ी साजिश के आरोप लग रहे हैं। इसकी जड़ में कांग्रेस नगर अध्यक्ष और निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे और पार्षद फौजिया शेख अलीम के बीच का पुराना मनमुटाव है। सूत्रों की मानें तो इंदौर कांग्रेस में काफी समय से दो फाड़ की स्थिति बनी हुई है। एक गुट का नेतृत्व चिंटू चौकसे कर रहे हैं तो दूसरा गुट फौजिया शेख और उनके समर्थकों का है। चिंटू चौकसे के पास दो पद शहर अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष है। फौजिया की टीम चाहती है कि उनके पास भी कोई पद रहे। फौजिया पहले भी 5 साल नेता प्रतिपक्ष रह चुकी हैं। इसलिए वह चाहती हैं कि चिंटू इस पद से इस्तीफा दें और उन्हें यह कुर्सी मिल जाए।

महापौर पर लगाए आरोप -चिंटू चौकसे के समर्थक कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया ने अपनी ही पार्टी की पार्षद फौजिया शेख अलीम पर कई आरोप लगाए हैं। इस विवाद को लेकर राजू भदौरिया ने लंबी-चौड़ी पोस्ट सोशल मीडिया पर लिखी (जिसे बाद में डिलीट कर दिया गया)। इसमें इस विवाद को षड्यंत्र बताया गया है। भदौरिया ने कहा है कि प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए फौजिया शेख और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के बीच डीलिंग हुई है। व्यक्तिगत लाभ और राजनीतिक सौदेबाजी के चलते सिद्धांतों को ताक पर रखा गया है। फौजिया शेख के पति शेख अलीम बार काउंसिल का चुनाव लड़ना चाहते हैं। वे बार चुनाव में धर्म की पॉलिटिक्स कर जीतना चाहते हैं। पार्षद राजू भदौरिया ने कहा कि महापौर और शेख अलीम दोनों ने मिलकर राजनीति की। शेख अलीम की पत्नी फौजिया शेख नेता प्रतिपक्ष रही हैं, तब कई बार उन्होंने वंदे मातरम् साथ में खड़े रहकर गाया है, अगर निगम में कभी फौजिया ने वंदे मातरम् सम्मान के साथ गाया नहीं तो सम्मान के साथ खड़ी तो रही हैं।

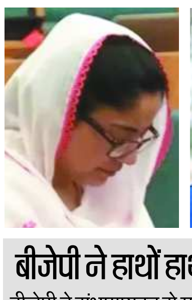

बीजेपी ने हाथों हाथ लिया यह मुद्दा

बीजेपी ने संभागायुक्त से मांग की है कि दोनों पार्षदों को निष्कासित किया जाए। साथ ही पुलिस में भी एफआईआर के लिए आवेदन दिया है। उधर एबीवीपी ने भी नगर निगम पर प्रदर्शन किया है। बीजेपी इस मामले में शांत होने को तैयार नहीं है।

कांग्रेस का वोट बैंक खिसका

इस पूरे मुद्दे ने कांग्रेस के कट्टर वोट बैंक (मुस्लिम) को हिला दिया है। रुबीना ने खुद कहा कि हम नौ मुस्लिम पार्षद हैं, कांग्रेस के पास है क्या? कांग्रेस अंदर ही अंदर हिंदू-मुस्लिम में बंट गई है। वहीं बड़े नेता इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

जीतू पटवारी ने कहा- हम बाध्य नहीं

दूसरी ओर भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से सवाल पूछे गए तो वे टालते नजर आए। उन्होंने कहा कि पार्टी जब निर्णय लेगी, तब बता देंगे। भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी से जब इस मामले में सवाल पूछे गए तो पहले वे किनारा करते नजर आए। जब बार-बार सवाल दोहराया गया तो उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के महत्व को किसी को बताने या छिपाने की आवश्यकता नहीं है। जहां तक कांग्रेस के किसी पार्षद ने कोई बात कही है तो पार्टी उस पर जब निर्णय लेगी, तब बता देगी। मामला संज्ञान में है। जब मीडिया ने पूछा कि कब तक निर्णय लेगी तो पटवारी ने कहा- यह मैं आपको बताने के लिए बाध्य नहीं हूं कि कब निर्णय लेगी। जब निर्णय लेगी, तब बता देंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 'वंदे मातरम' जैसे मुद्दे पर चुप्पी साधना कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है, खासकर तब जब विपक्ष इसे राष्ट्रवाद से जोड़कर बड़ा मुद्दा बना रहा है। फिलहाल, जीतू पटवारी की इस चुप्पी को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब देखना होगा कि कांग्रेस इस विवाद पर आधिकारिक रूप से क्या रुख अपनाती है।

डीएवीवी शुरू करेगा देश का पहला एमबीए इन ट्राइबल डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट कोर्स

आदिवासी समाज, नीति और प्रबंधन पर आधारित कोर्स, 60 सीटों पर होगा प्रवेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र से देश का पहला एमबीए इन ट्राइबल डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट कोर्स शुरू करने जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी अध्ययन को प्रोफेशनल एजुकेशन के केंद्र में लाना और छात्रों को समुदायों के साथ जुड़कर काम करने के लिए तैयार करना है। यह दो वर्षीय चार सेमेस्टर का कोर्स यूनिवर्सिटी के आदिवासी अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा, जहां 60 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इस कोर्स में 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उत्तीर्ण छात्र आवेदन कर सकेंगे।

इंटरडिसीप्लीनरी अप्रोच के तहत कोर्स में आदिवासी समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था,

आजीविका, विकास योजनाएं, प्रशासन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे विषय शामिल होंगे। साथ ही फील्ड वर्क और कम्युनिटी एंगेजमेंट पर विशेष जोर रहेगा, जिससे छात्रों को जमीनी अनुभव मिल सके। छात्रों को वन अधिकार, पीईएसए, भूमि अधिकार और पारंपरिक कानूनों जैसे कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी जाएगी, जिससे वे प्रशासन, नीति निर्माण और विकास क्षेत्र में बेहतर भूमिका निभा सकें। विभागाध्यक्ष प्रो. सखाराम मुजाल्दे के अनुसार, यह भारत का पहला ऐसा एमबीए कोर्स है, जो आदिवासी संस्कृति और प्रबंधन को एक साथ जोड़ता है। गौरतलब है कि जनजातीय अध्ययन विभाग की स्थापना 16 फरवरी 2024 को सेंटर के रूप में हुई थी, जिसे 10 जनवरी 2025 को पूर्ण विभाग का दर्जा मिला। कम समय में ही यह विभाग रिसर्च और नीति आधारित अध्ययन का प्रमुख केंद्र बन गया है। विश्वविद्यालय का मानना है कि यह कोर्स प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स तैयार करेगा, जो आदिवासी विकास की चुनौतियों को समझते हुए समावेशी और प्रभावी नीतियों के निर्माण में योगदान देंगे।

डेली कॉलेज प्रकरण में आरोपियों को बड़ा झटका

अग्रिम जमानत खारिज, कोर्ट ने दिखाई सख्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डेली कॉलेज से जुड़े मामले में आरोपियों को शुक्रवार को बड़ा कानूनी झटका लगा। जिला एवं सत्र न्यायालय ने संदीप पारेख, रंजीत सिंह नामली और मानवीर बायस की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अभियोजन के अनुसार... कोर्ट ने आरोपियों को किसी भी प्रकार की राहत देने से साफ इनकार कर दिया। इस निर्णय से साफ है कि उसने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सख्त रुख अपनाया है।

गौरतलब है कि इस मामले में कॉलेज प्रबंधन ने संदीप पारेख, अनुराग जैन, रंजीत सिंह नामली और मानवीर बायस के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि इन लोगों ने 'वाइस ऑफ डीसी' नाम से फर्जी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चलाकर संस्था की छवि खराब करने, भ्रामक जानकारी फैलाने और लोगों को गुमराह करने की साजिश रची।

प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया- शिकायत में कहा गया कि इस प्लेटफॉर्म के जरिए कॉलेज और उसके शिक्षकों को आपत्तिजनक और अभद्र तरीके से पेश किया गया, जिससे संस्थान की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। फिलहाल कोर्ट के इस फैसले के बाद आरोपियों पर कानूनी शिकंजा और कस गया है। अब आरोपी जल्द ही हाईकोर्ट की शरण लेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

छतों से बिजली उत्पादन की संख्या 60 हजार पार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मालवा निमाड़ मे रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानि छतों से सौर ऊर्जा उत्पादन करने वालों की संख्या में सतत वृद्धि की स्थिति हैं। अब पश्चिम मप्र में 60 हजार से ज्यादा स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा हैं, इसमें से 30 हजार के करीब इंदौर जिले में हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में आवेदनों के त्वरित मंजूरी की जा रही हैं, इससे रूफ टॉप नेट मीटर लगाने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 78 हजार तक सब्सिडी दी जा रही है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में करीब 43 हजार स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। पात्रतानुसार सतत सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से उपभोक्ताओं को प्राप्त हो रही है। अब तक पश्चिम मप्र में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में करीब 42 हजार उपभोक्ताओं को 327 करोड़ रुपए की सब्सिडी मिल चुकी है।

समाधान योजना में 9 लाख से ज्यादा को लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र शासन ऊर्जा विभाग की समाधान योजना में तीन माह या अधिक समय के बिजली बिल बकायादार उपभोक्ताओं को नियमानुसार पात्रतानुसार सरचार्ज छूट प्रदान की जा रही है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने अब तक 9 लाख 1 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को 39.22 करोड़ की छूट प्रदान की हैं। कंपनी के खाते में 291 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ हैं। 15 मई तक लागू समाधान योजना में सरचार्ज पर 90 प्रतिशत तक माफी लाभ लिया जा सकता है। इसके लिए बिजली कंपनी के जोन वितरण केंद्र या पोर्टल पर संपर्क किया जा सकता है।

एसजीएसआईटीएस में पूर्व परीक्षा नियंत्रक की अनोखी मांग

पद से हटाने पर डायरेक्टर से मांगी कक्ष के बाहर मृत्यु की अनुमति, टिप्पणी विवाद में गई कुर्सी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआईटीएस) में पिछले कई महीनों से चल रहे प्रशासनिक गतिरोध और रिजल्ट में देरी को लेकर आखिरकार कार्रवाई की गई है।

संस्थान के परीक्षा नियंत्रक प्रो. लीलाधर मालवीय को पद से हटा दिया गया है और उनकी जगह प्रो. स्मिता वर्मा को नया एग्जाम कंट्रोलर नियुक्त किया गया है। पद से हटाए जाने की सूचना मिलने के बाद मालवीय ने एसजीएसआईटीएस के डायरेक्टर के सामने एक अनोखी मांग रख दी। डायरेक्टर को लिखे पत्र में लीलाधर मालवीय ने कहा कि उन्हें आपके केबिन के बाहर मृत्यु की अनुमति दी जाए। यह मांग उन्होंने पद से हटाए जाने के बाद की है। बताया जा रहा है कि प्रो. मालवीय पर संस्थान के इंटरनल व्हाट्सएप ग्रुप में सीनियर प्रोफेसरों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप हैं। उन्होंने सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर संस्थान विरोधी कमेंट्स किए और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इसी के चलते अनुशासनहीनता और प्रोटोकॉल उल्लंघन के आधार पर कॉलेज

प्रबंधन ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है।

मामले में प्रो. मालवीय का पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने इस पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। पूरे मामले की जांच के लिए डायरेक्टर ने एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है। इस समिति में संस्थान के बाहर के दो आईटी विशेषज्ञ प्रोफेसरों को शामिल किया गया है। कमेटी सॉफ्टवेयर अपडेट और डाटा हैंडलिंग में हुई गड़बड़ी के आरोपों की भी जांच करेगी।

जीएसआईटीएस कॉलेज में एक ओर जहां पूर्व एग्जाम कंट्रोलर ने मृत्यु की अनुमति की मांग की है, वहीं दूसरी ओर कॉलेज परिसर में एनएसयूआई का प्रदर्शन जारी है। छात्र संगठन फीस बढ़ोतरी के विरोध में आंदोलन कर रहा है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, दोस्त पर पॉक्सो में केस दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में 14 साल की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर उसके दोस्त आरोपी के खिलाफ पास्को एक्ट सहित गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। मामला तब सामने आया जब चाइल्ड लाइन की सदस्य पीड़िता और उसकी मां को लेकर थाने पहुंची। मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। पीड़िता अपनी मां के साथ रहती है। माता-पिता का तलाक हो चुका है। 22 मार्च को छात्रा घर से बिना बताए चली गई थी। मां ने पूछताछ की, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया। बाद में 28 मार्च को फिर घर से निकलने पर मां को उस पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर छात्रा ने बताया कि वह आरोपी को करीब एक साल से जानती है और उससे मिलने कुंदन नगर जाती थी। वहीं आरोपी ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे धमकाया था, जिसके डर से वह किसी को कुछ नहीं बता पाई। मां ने चाइल्ड लाइन से संपर्क किया।

वैकल्पिक चिकित्सक संघ ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता हेतु उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● वैकल्पिक चिकित्सक संघ, जिला इंदौर के अध्यक्ष डॉ आर एन मिश्रा ने बताया कि आज मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी "इंदौर आगमन पर मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता एवं काउंसलिंग के गठन हेतु एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन जिला अध्यक्ष डॉ. आर. एन. मिश्रा के नेतृत्व में सौंपा गया, जिसमें इंदौर के बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित थे। इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों की वर्षों पुरानी मांग को प्रमुखता से रखा गया। ज्ञापन के प्रमुख बिंदु: इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मध्यप्रदेश में विधिवत मान्यता प्रदान की जाए। चिकित्सकों के लिए एक सुसंगठित काउंसलिंग एवं पंजीयन प्रणाली विकसित की जाए। राजस्थान की तर्ज पर प्रदेश में भी इस पद्धति को वैधानिक पहचान दी जाए। डॉ. आर. एन. मिश्रा ने माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को अवगत करवाते हुए बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक 100 वर्षों से अधिक पुरानी, पूर्णतः हर्बल चिकित्सा पद्धति है। प्रदेश में हजारों चिकित्सक इस पद्धति से जनसेवा कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि इन चिकित्सकों को सम्मान एवं वैधानिक पहचान मिले। ज्ञापन का अवलोकन करने के पश्चात माननीय उपमुख्यमंत्री एवं शुक्ला जी जी ने विशेष रूप से होम्योपैथी एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अंतर के विषय में जानकारी प्राप्त की।

महू प्रेस क्लब ने शिविर के पहले दिन 24 से अधिक पत्रकारों को सौंपा 10-10 लाख का सुरक्षा कवच

दैनिक इंदौर संकेत

महू ● शहर के सीबी गर्ल्स स्कूल में महू प्रेस क्लब द्वारा भारतीय डाक विभाग के सहयोग से दो दिवसीय आधार संशोधन एवं बीमा कैंप का शुभारंभ शुक्रवार को किया। कैंप के पहले दिन पत्रकारों, उनके परिजनों एवं स्कूली विद्यार्थियों के आधार संबंधी त्रुटियों का तत्काल निराकरण किया जा रहा है।

प्रेस क्लब अध्यक्ष राधे कौशल ने बताया कि इस शिविर की खास बात यह रही कि महू प्रेस क्लब ने पत्रकारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें 10-10 लाख रुपए का बीमा इंश्योरेंस पॉलिसी प्रदान की। पहले दिन ही 24 से अधिक पत्रकारों को यह बीमा कवर सौंपा गया। प्रेस क्लब की इस पहल को पत्रकारों के हित में एक महत्वपूर्ण

कदम माना जा रहा है, जिससे उन्हें भविष्य को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इस विशेष शिविर में मुख्यरूप से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक लिमिटेड प्रबंधक इंदौर विनीत पराशर, डाक विभाग महू उपसंभाग निरीक्षक कुलदीप शर्मा, डाक सहायक धर्मेंद्र बैरागी समेत महू डाकघर के आधा दर्जन कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

पोस्टमास्टर जनरल परिक्षेत्र प्रीती अग्रवाल के पुणे स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय डाक विभाग, इंदौर परिक्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती प्रीती अग्रवाल का तीन वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात महाराष्ट्र परिमंडल के पुणे परिक्षेत्र में स्थानांतरण हो गया है। इस अवसर पर आज क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान विभाग के विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रीमती अग्रवाल के नेतृत्व की सराहना की। वक्ताओं ने अपने संबोधन में बताया कि उनके तीन वर्षों के कार्यकाल के दौरान इंदौर परिक्षेत्र ने डाक सेवाओं के विस्तार, कर्मचारी कल्याण और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। श्रीमती अग्रवाल की कार्यकुशलता और मिलनसार व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए सभी ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। विदाई के इस अवसर पर सभी उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियो ने श्रीमती अग्रवाल को उनके उज्ज्वल भविष्य और पुणे में नवीन उपलब्धियों के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

रिश्वत का रुपया लेते ही महिला उपयंत्री के हाथ हुए पीले...

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पास स्थित महू की यशवंत नगर पंचायत में साढ़े चार लाख की लागत से हुए सड़क निर्माण की प्रोजेक्ट फाइल आगे बढ़ाने के एवज में उपयंत्री सावित्री मुवैल भौतिक सत्यापन करने के एवज में 15 हजार रुपए की मांग कर रही थी। इसकी शिकायत ग्राम पंचायत सचिव रमेशचंद्र चौहान ने इंदौर लोकायुक्त कार्यालय में की। जांच के बाद अफसरों ने महिला इंजीनियर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और रमेशचंद्र तय राशि लेकर उपयंत्री सावित्री के पास पहुंचा। उन्हें नोटों का बंडल उसे सौंपा और घूसखोर इंजीनियर को पकड़ने की ताक में खड़े दल को इशारा किया। जैसे ही अफसर कार्यालय में पहुंचे तो रिश्वत लेने वाली महिला अधिकारी हक्की-बक्की रह गई। जो गड्डी उसने रखी थी पुलिस ने उसे जब्त किया और घूस लेने वाली महिला अधिकारी के हाथ धुलवाए।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने शहर में अपनी पहली ई-एससीवी डीलरशिप के साथ मध्य भारत में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मोंट्रा इलेक्ट्रिक, मुरुगप्पा ग्रुप की क्लीन मोबिलिटी ब्रांच ने मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी पहली इलेक्ट्रिक छोटी कमर्शियल गाड़ी (ई-एससीवी) डीलरशिप के उद्घाटन के साथ मध्य भारत में अपने विस्तार का दायरा बढ़ाया है। सांघी इलेक्ट्रिक द्वारा संचालित यह नई डीलरशिप, इस क्षेत्र के फ्लीट ऑपरेटरों तक भरोसेमंद और किफ़ायती इलेक्ट्रिक कार्गो सॉल्यूशंस प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम है। मध्य भारत के प्रमुख लॉजिस्टिक्स केंद्रों में से एक में रणनीतिक रूप से स्थित, इंदौर डीलरशिप पूरे शहर और आसपास के बाज़ारों जैसे देवास, उज्जैन, रतलाम और पीथमपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में ग्राहकों को सेवा प्रदान करेगी। यह सुविधा मोंट्रा इलेक्ट्रिक के ई-एससीवी पोर्टफोलियो को पेश करेगी, जिसे समर्पित बिक्री, सर्विस इंफ्रास्ट्रक्चर और कलपुर्जों की आसान उपलब्धता का समर्थन प्राप्त होगा, ताकि गाड़ी का लगातार बेहतर प्रदर्शन और अपटाइम सुनिश्चित किया जा सके।

राम तुम बढ़े दयालु हो, श्याम तुम बढ़े ही कृपालु हो - डॉ. शास्त्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में, अयोध्या के राजा दशरथ और रानी कौशल्या के पुत्र के रूप में, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि (रामनवमी) को, पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न में हुआ। भगवान विष्णु का सातवां अवतार है। कथा वाचक आचार्य "डॉ. मनोज मोहन जी शास्त्री ने कहा राजा दशरथ को कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने ऋषि वशिष्ठ की सलाह पर ऋषि श्रृंगी से 'पुत्रकामेष्टि यज्ञ की समाप्ति पर, अग्निदेव ने प्रकट होकर राजा दशरथ को एक दिव्य खीर (प्रसाद) प्रदान की, जिसे दशरथ ने अपनी तीनों रानियों—कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा में बांट दिया।

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य तेजी से जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य तेज़ी से जारी है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।

मुंबई के खान ने हिंदूवादी को दी धमकी शर्मा ने पुलिस की शिकायत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में फोन पर धमकी देने का एक मामला सामने आया है। आदर्श इंदिरानगर निवासी एक व्यक्ति ने मुंबई के शहबाज खान पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थी तन्नु शर्मा इंदिरानगर ने आवेदन में बताया कि 9 अप्रैल 2026 की रात उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को शहबाज खान निवासी मुंबई बताते हुए बजरंग दल महू का अध्यक्ष होने का दावा किया। आवेदन में उल्लेख है कि आरोपी ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए प्रार्थी से गाली-गलौज की और कहा कि 'तू मुझसे पूछने वाला कौन होता है।' इसके बाद उसने धमकी दी कि यदि प्रार्थी मुंबई आया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद प्रार्थी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री ने अपने स्वागत में किया रोड जाम

हातोद चौराहे पर घंटों रेंगते रहे वाहन स्कूल बस भी फंसी जाम में

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● युवा मोर्चा की नियुक्तियों के बाद नेताओं के स्वागत सत्कार का कार्यक्रम जगह-जगह देखने को मिला युवाओं ने घनश्यामसिंह चौहान के स्वागत के लिए इंदौर से लेकर हातोद तक सैकड़ो मंच लगाए थे। युवाओं का काफिला प्रदेश मंत्री चौहान के साथ चल रहा था लेकिन है। हातोद चौराहे पर युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री के स्वागत में कानून और प्रशासन की धज्जियां उड़ा दी गई, कार्यकर्ताओं ने रोड के समीप ही मंच लगा दिया काफिला हातोद चौराहे पर पहुंच तो युवा मोर्चा नेता का बीच चौराहे पर स्वागत किया गया पटाखे फोड़े गए। इस बीच इंदौर देपालपुर रोड पर भारी जाम लग गया घंटे भर तक वाहन रेंगते रहे

इन वाहनों में स्कूल बस भी कहीं देर तक खड़ी रही लेकिन प्रदेश महामंत्री अपने स्वागत सत्कार में व्यस्त थे सत्ता पक्ष के नेताओं के आगे प्रशासन भी नतमस्तक दिखाई दिया ट्रैफिक जाम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ लेकिन पुलिस और अधिकारियों ने इस और ध्यान नहीं दिया भारतीय जनता पार्टी अपना अनुशासन बनाकर काम करती है नियमों के खिलाफ कभी नहीं जाती लेकिन कहीं नेताओं और कार्यकर्ताओं और सत्ता का नशा सर चढ़ कर बोल रहा था ट्रैफिक जाम में फंसे आम जनता में भारी नाराजगी देखने को मिली इस विषय पर युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री घनश्याम सिंह चौहान से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 11 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों की केस स्टडी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के इंजीनियरों द्वारा तैयार एक तकनीकी केस स्टडी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल,वॉटर एंड एनर्जी इंटरनेशनल में प्रकाशित हुई है। जिसकी व्यापक सराहना इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र में देश -विदेश के नामी विशेषज्ञो ने भी की है । एमपी ट्रांसको के इंजीनियर जितेंद्र तिवारी एवं इंजीनियर आशुतोष राय द्वारा तैयार की गई यह स्टडी केस 35 वर्ष से अधिक पुराने ट्रांसमिशन लाइनों में बिजली गिरने से होने वाली समस्याओं के समाधान पर आधारित है। इसमें स्पेशल पिट आधारित अर्थिंग तकनीक के माध्यम से टॉवर फुटिंग इम्पीडेंस कम करने और फॉल्ट क्लियरिंग समय सुधारने का सफल प्रयोग प्रस्तुत किया गया है।

निवेश का मप्र मॉडल हुआ देश भर में विख्यात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं रीजनल स्तर पर रोड़ शो एवं ग्लोबल तथा रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव के माध्यम से प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के मध्यप्रदेश मॉडल की देश भर में सराहना हो रही है। 56000 एकड़ में विकसित हो रहे बुंदेलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा श्री संजय खत्री, सी.ई.ओ. बुंदेलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय दल ने 08-09 और 10 अप्रैल को मध्यप्रदेश का दौरा किया गया। डेलिगेशन द्वारा हिमांशु प्रजापति, कार्यकारी संचालक, एमपीआईडीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर से 09 अप्रैल को मुलाकात की, जहाँ पर उनके द्वारा पी.एम. मित्र पार्क एवं अन्य औद्योगिक परियोजनाओं पर प्रस्तुति दी गई तथा मध्यप्रदेश को निवेशकों की पहली प्राथमिकता बनाए जाने के संबंध में शासन स्तर से किए जा रहे विभिन्न प्रयासों, निवेश प्रोत्साहन पॉलिसी, अधोसंरचनाओं की गुणवत्ता तथा प्लानिंग के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

इन्दौर में भारी वाहनों के आवागमन समय में आंशिक संशोधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा इन्दौर अनाज तिलहन व्यापारी संघ नई अनाज मण्डी संयोगितागंज (छावनी) द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन इन्दौर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 एवं मोटरयान नियम 1994 के नियम 215 के अंतर्गत पूर्व में जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन किया गया है। जारी आदेशानुसार बायपास से आने वाले भारी वाहन जिसमें नेमावर रोड पालदा नाका, तीन इमली चौराहा, नवलखा तथा अग्रसेन चौराहा मार्ग से होकर अनाज मण्डी तक भारी ट्रक/भारवाही वाहनों के आवागमन समय में परिवर्तन किया गया है। जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार अब इन मार्गों पर ट्रक एवं अन्य भारवाही वाहनों का आवागमन सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सायं 5:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था केवल अनाज मण्डी से संबंधित वाहनों पर लागू होगी।

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

इंदौर • राष्ट्रगीत हर भारतीय की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसी गौरवशाली भावना से प्रेरित होकर श्री दशा नेमा समाज सेवा कोष समिति ने एक अनुकरणीय पहल की है। संस्था ने अपनी साधारण सभा से पूर्व राष्ट्रगीत के गान की परंपरा शुरू की और यह संकल्प लिया कि भविष्य में हर बैठक का प्रारंभ राष्ट्रगीत के साथ ही होगा। इस दौरान उपस्थित अन्य जनों ने इस पहल को कौतुक और सम्मान भरी दृष्टि से सराहा । संस्था अध्यक्ष अनुराग नीमा एवं मंत्री अजय नीमा ने कहा कि समाज से ही राष्ट्र निर्माण होता हैं । हमारा यह प्रयास समाज में राष्ट्रवाद की अलख जगाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित होगा ।

मुख्य सचिव को कोर्ट की अवमानना से बचाने के निर्देश, जीएडी ने जारी की गाइडलाइन

भोपाल (एजेंसी) • प्रदेश में विभागीय अफसरों की लापरवाही से होने वाली सरकार की फजीहत और मुख्य सचिव को कोर्ट की अवमानना से बचाने के लिए राज्य सरकार ने नई व्यवस्था तय की है। इसमें सरकार की सम्पत्ति की सुरक्षा के साथ मुख्य सचिव को कोर्ट में घसीटने से बचाने पर फोकस किया है। सभी विभाग प्रमुखों और विभागाध्यक्षों से सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि कोर्ट के मामले में पक्षकार के रूप में मुख्य सचिव का नाम हटाए जाने की कार्यवाही कराना है क्योंकि मुख्य सचिव किसी विभाग के भारसाधक सचिव नहीं होते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए जारी ताजा निर्देशों में कहा है कि विभाग के सचिव और कलेक्टर की यह जिम्मेदारी होगी कि वह यह देखें कि जिन मामलों में मुख्य सचिव के माध्यम से पक्षकार बनाकर राज्य शासन के विरुद्ध कोर्ट में केस या याचिका लगाई जाती है उसमें समय पर मुख्य सचिव का नाम हटाने का काम कराया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने इसको लेकर जारी निर्देश में कहा है कि सभी विभागों द्वारा मध्यप्रदेश राज्य मुकदमा प्रबंधन नीति 2018 के अनुरूप कर्मचारियों की सेवा संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए संस्थागत व्यवस्था बनाई जाएगी और सेवा विवादों से संबंधित अभ्यावेदनों का समय पर निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

निर्देशों में यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में सरकार का पक्ष तेजी से रखने के लिए राज्य के विधि अधिकारियों को तथा सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रखने स्थायी अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जानी चाहिए। अगर किसी मामले में कानूनी जटिलता हो और किसी और को अधिवक्ता नियुक्त किया जाना हो

तो ऐसा प्रस्ताव विभागीय मंत्री के प्रशासकीय अनुमोदन के साथ विधि विभाग को भेजा जाएगा। इसमें प्रशासनिक विभाग द्वारा उनके नाम और सेवा शर्तों का साफ तौर पर उल्लेख किया जाएगा। इसके लिए विधि विभाग द्वारा अन्तरविभागीय समिति गठित की गई है जिसमें भारसाधक सचिव वित्त विभाग के होंगे और कमेटी के अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में भारसाधक सचिव विधि विभाग तथा संबंधित प्रशासकीय विभाग के भारसाधक सचिव शामिल किए जाएंगे।

प्रशासनिक प्रकरणों के निराकरण के लिए नई कार्यप्रणाली लागू

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अनुसार प्रशासनिक प्रकरणों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही समयसीमा में पूरी करें। साथ ही, हर स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी निर्धारित की गई है। निर्देशों में कहा गया है कि प्रकरणों के परीक्षण के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच अनिवार्य होगी। यदि किसी प्रकरण में जानकारी अधूरी पाई जाती है, तो संबंधित पक्ष से तत्काल जानकारी प्राप्त कर प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

सरकार को नुकसान तो वसूली अफसर से हो

जारी निर्देशों में कहा है कि अगर किसी प्रकरण में विलंब, गलती, चूक और विषय वस्तु से भिन्नता के कारण सरकार के खिलाफ आदेश जारी होता है तो विभाग की यह जिम्मेदारी होगी कि ऐसे मामले में संबंधित अफसर की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही करें और अगर सरकार को क्षति हुई है तो संबंधित अधिकारी से वसूली की जाए। इसके लिए प्रभारी अधिकारी के दायित्व तय किए गए हैं। जीएडी ने सरकारी जमीन से संबंधित मामलों को लेकर भी गाइडलाइन जारी की है।इसमें कहा है कि कलेक्टर और जिला प्राधिकारी अपने क्षेत्र में कोर्ट द्वारा सरकार के खिलाफ दिए गए आदेश के मामले में शासकीय अधिवक्ता से सलाह लेकर अपील पेश करेंगे।जहां कलेक्टर के सक्षम होने की स्थिति न हो, वहां विभाग प्रमुख को निर्णय के लिए प्रस्ताव भेजे जाएंगे।सामान्य प्रशासन विभाग ने अवमानना के मामलों में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के लिए कहा है।

युवा कांग्रेस के जोनल इंचार्ज घोषित, महिलाओं के अधिकार छीने जा रहे प्रदेश -स्वीटी पाटिल

भोपाल (एजेंसी) • भारतीय युवा कांग्रेस ने मप्र प्रदेश उपाध्यक्षों को जोनल इंचार्ज बनाते हुए विभिन्न जिलों का प्रभार सौंपा है। नेताओं की इस लिस्ट में सिर्फ दो महिला प्रभारी बनाई गईं हैं। इस सूची के जारी होते ही संगठन के भीतर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष स्वीटी पाटिल ने एक वीडियो जारी कर नेतृत्व पर महिलाओं की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया है।

यह है पूरा विवाद

युवा कांग्रेस से जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्षों और उपाध्यक्षों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी गई है । इस लिस्ट में स्वीटी पाटिल को रतलाम और आगर जिले का प्रभार दिया है। स्वीटी पाटिल ने कहा अभी जो लिस्ट आई है उसको देखते हुए ऐसा लग रहा है कि बोला कुछ और जा रहा है किया कुछ और जा रहा है। अभी भोपाल में हमारे राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा आए थे। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और आरक्षण की बात कही थी, ओबीसी की बात कही थी। तब मुझे बड़ी खुशी मिली थी। स्वीटी ने कहा- मैं यूथ कांग्रेस में प्रदेश उपाध्यक्ष हूं। महिला होने के नाते मुझे बहुत अच्छा लगा था कि हमारा वरिष्ठ नेतृत्व तो इस तरह की बातें करते हुए हमें अधिकार दे रहा है। जब ऐसी चीज होती हैं तो बड़ी खुशी होती है लेकिन, आज जब मैंने लिस्ट देखी उसे लिस्ट को और उन बातों को अगर मैं कंपेयर करूं तो बहुत गलत हुआ है। इस लिस्ट के अनुसार तो महिलाओं को तो कोई अधिकार ही नहीं मिल रहे। जहां महिलाओं के आरक्षण की बात हो रही है ओबीसी की बात हो रही है और लिस्ट को देखकर लग रहा है कि सब विपरीत हो रहा है ऐसा क्यों? यह हमारे प्रभारी से पूछना चाहती हूं।

बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते हुए अपराध, नशाखोरी के खिलाफ कांग्रेस ने कैंडल जलाकर महात्मा गांधी चौराहे पर बनाई मानव श्रृंखला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश महामंत्री मूलचंद राठौर के नेतृत्व में रीगल चौराहा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा पर इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के पदाधिकारीयों ने इंदौर सहित पूरे प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था बिगड़ती यातायात व्यवस्था बढ़ते हुए अपराध बढ़ती हुई नशाखोरी हत्या चोरी बलात्कार की घटनाओं के साथ महिलाओं एवं बच्चियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं के खिलाफ एवं भाजपा सरकार के विरोध में हाथों में कैंडल जलाकर एक मानव श्रृंखला बनाई गई एवं उसके बाद कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं बढ़ते हुए अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु भाजपा सरकार को सद्बुद्धि देने हेतु प्रार्थना सभा की गई। यादव राठौर ने बताया है कि इसके बाद गत दिनों मुरैना जिले के चंबल में अवैध खनन रोकने गई घटित घटना में वन विभाग के जवान हरिकेश गुर्जर पर ट्रैक्टर चालक आरोपी विनोद कोरी ने ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या कर दी गई थी शहीद जवान हरिकेश गुज़र को सभी कांग्रेस जनों ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी।

बजरंग दल के नाम पर वसूली करने वाला शातिर को पकड़ा, संगठन ने बताया-कोई संबंध नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • किशनगंज थाना में बजरंग दल के नाम पर अवैध वसूली करने वाले एक शातिर युवक का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर ने बताया कि पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि एक व्यक्ति संगठन का नाम लेकर लोगों को डरा-धमकाकर हफ्ता वसूली कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए दरेकर ने अपने कार्यकर्ताओं को गोपनीय रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए। जांच के दौरान सामने आया कि रितेश राठौर नाम का युवक बजरंग दल के नाम का गलत इस्तेमाल कर अवैध वसूली कर रहा था।

दिव्यांग बालकों के लिए नि:शुल्क आवासीय विद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय अस्थिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राऊ इन्दौर में शारीरिक रूप से दिव्यांग बालकों के लिए सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय में 06 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के पात्र बालकों को पहली कक्षा से 8वीं तक, मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा प्रदान की जाएगी। प्रवेश के लिए आवेदक के पास न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेजों में अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यू.डी.आई.डी., स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आई.डी, 06 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार से लिंक बैंक खाता, जन्म प्रमाण पत्र एवं अपार आई.डी. शामिल हैं। विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को नि:शुल्क आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वच्छता अभियान दिनचर्या का हिस्सा बनें - जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • नगर निगम इंदौर के आयुक्त द्वारा गठित सर्वेक्षण दल के माध्यम से किए गए गोपनीय स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान हेतु गोद लिए गए नगर परिषद देपालपुर के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय कार्यालयों में सिविल कोर्ट परिसर, देपालपुर को उत्कृष्ट स्वच्छता के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उक्त उपलब्धि के उपलक्ष्य में व्यवहार न्यायालय देपालपुर में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में एक गरिमामय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं अनुशासन को और सुदृढ़ करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में सीनियर सिविल जज श्रीमती रिजवाना कौसर, सुमित्रा ताहेड़, दिव्या श्रीवास्तव,सी.एम.ओ.

बहादुर सिंह रघुवंशी, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य, सचिव दिनेश डोंड,उपाध्यक्ष दिलीप डाबी, कोषाध्यक्ष रजनी पवार, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र पटेल, चेतन हार्डिया, पंकज तिवारी, प्रकाश धाकड़, दुलेन्द्र जैन, चिंतामन बाथम, सफाई दरोगा शैलेश कुराडिया, नायब नाजिर दिलीप यादव, सेलअमीन देवेंद्र कछवाह सहित सभी न्यायालयीन कर्मचारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

मेडिकल हब बनने से प्रदेश में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे : शुक्ल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पाँच विशेष रीजनल मेडिकल हब स्थापित करने की योजना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में विशेष रीजनल मेडिकल हब बनाने की दिशा में कार्य शुरू हो गया है। इस मेडिकल हब के बनने से मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश विशेषकर इंदौर में विशेष मेडिकल हब बनने की अपार संभावनाएं है। मध्यप्रदेश में विशेष रीजनल मेडिकल हब के लिये इंदौर-उज्जैन कॉरिडोर बेहतर जगह है। इंदौर में एक तरफ, ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग है तो दूसरी तरफ उज्जैन में प्रसिद्ध महांकालेश्वर मंदिर है। बाहर से आने वाले नागरिक उक्त दोनों ही ज्योर्तिलिंगों पर दर्शन के लिये आते है। इस दृष्टि से भी विशेष रीजनल मेडिकल हब इंदौर-उज्जैन कॉरिडोर पर बनाना उपयुक्त है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इंदौर में एजुकेशन हब है। इंदौर में मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर है। रेलवे और एयर कनेक्टिविटी है। व्यवसायी दृष्टि से भी इंदौर तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि केन्द्र सरकार की आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से नागरिकों का नि:शुल्क इलाज हो रहा है। अभी तक करोड़ नागरिकों द्वारा आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ ले चुके हैं।

शुक्ल आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्टेकहोल्डर कंस्यूलेशन वर्कशॉप फॉर डेवलपमेंट ऑफ इंदौर-उज्जैन हेल्थ एंड वेलनेस टूरिज्म कॉरिडोर में अपना संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी डॉ. सलोनी सिड़ाना, एसीएस हेल्थ अशोक वर्णवाल, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और आयुष विभाग के आयुक्त शोभित जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। शुक्ल ने कहा कि विशेष रीजनल मेडिकल हब स्थापित करने का उद्देश्य दुनियाभर से आने वाले मरीजों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक तकनीक और किफायती इलाज मुहैया कराना है। भारत की चिकित्सा क्षमता को दुनिया के सामने लाने में विशेष रीजनल मेडिकल हब की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वर्तमान में भारत मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स और वेलनेस इंडेक्स में अच्छी स्थिति में है और हमें इसे और बेहतर करना है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि :शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

विश्व बैंक-आईएमएफ की चेतावनी: पश्चिम एशिया युद्ध से खाद्य कीमतों और सुरक्षा पर बड़ा खतरा

युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के नतीजे दिखने लगे हैं। ऊर्जा संकट गहराने के साथ पूरी दुनिया अब इसके व्यापक परिणामों से निपटने की तैयारी कर रही है। होर्मुज जलमार्ग से ईंधन आपूर्ति की जो श्रृंखला टूटी है, वह कब नियमित होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। मगर इससे कई देशों के सामने चौतरफा संकट जरूर पैदा हो गया है। वैश्विक स्तर पर ईंधन और परिवहन की लागत बढ़ने लगी है। मुश्किल भरे इस दौर में विश्व बैंक, मुद्रा कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) ने सचेत किया है कि पश्चिम एशिया के वैश्विक ऊर्जा बाजारों में युद्ध ने जो व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ेगा। इन तीनों संस्थाओं के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक बोझ दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। हालांकि इन संगठनों का कहना है कि वे संभावित स्थितियों पर निगाह रखेंगे और संकट से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों का समन्वय करेंगे। मगर सवाल है कि इस विकट दौर में करोड़ों लोगों तक कैसे और किस हद तक मदद पहुंचेगी? युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। नतीजा यह होगा कि कम और महंगा यूरिया मिलने से खेती की लागत बढ़ेगी। दूसरी ओर, आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे, तो माल की ढुलाई भी महंगी होगी। ऐसे में महंगाई को संभालना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का जो नुकसान हुआ है, अभी उसी का पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है। इस स्थिति में खाद्य कीमतों में संभावित वृद्धि की चेतावनी डराने वाली है।

क्या भारतीय राजनीति में अब उम्र की सीमा तय होनी चाहिए?

6 अप्रैल को राज्यसभा के शपथ ग्रहण कक्ष में जो दृश्य दिखाई दिया, उसने पूरे देश को भीतर तक झकझोर दिया। 85 वर्षीय शरद पवार व्हीलचेयर पर बैठकर सदन में पहुंचे। सदन में अचानक सन्नाटा छा गया। दशकों तक महाराष्ट्र की राजनीति को अपनी रणनीति, दूरदर्शिता और प्रभाव से दिशा देने वाला यह बड़ा नेता उस दिन बेहद कमजोर और थका हुआ दिखाई दे रहा था। शपथ के शब्द बोलते समय उनकी आवाज कांप रही थी, शब्द लड़खड़ा रहे थे और चेहरा थकान से भरा हुआ था। वह केवल एक शपथ ग्रहण समारोह नहीं था; वह भारतीय राजनीति के सामने खड़ा एक कठोर और असहज प्रश्न था-क्या सत्ता का मोह इतना बड़ा हो सकता है कि शरीर जवाब दे देने के बाद भी नेता कुर्सी छोड़ने को तैयार न हों?

यही वह क्षण था, जिसने राजनीति में सेवानिवृत्ति की आवश्यकता पर नई बहस खड़ी कर दी। जिस प्रकार सेना, न्यायपालिका, प्रशासन और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति को जिम्मेदारी छोड़नी पड़ती है, उसी प्रकार राजनीति में भी कोई स्पष्ट सीमा क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या देश और राज्यों का भविष्य अनिश्चित काल तक कुछ ही लोगों के हाथों में रहना चाहिए? क्या लोकतंत्र का अर्थ केवल यही है कि एक ही पीढ़ी लगातार सत्ता में बनी रहे? राजनीति केवल अनुभव का क्षेत्र नहीं है; यह ऊर्जा, सक्रियता, त्वरित निर्णय और बदलते समय को समझने की क्षमता का भी क्षेत्र है। यदि व्यवस्था में समय पर परिवर्तन नहीं होगा, तो राजनीति धीरे-धीरे ठहराव का शिकार हो जाएगी।

सबसे बड़ा सच यह है कि उम्र के साथ अनुभव बढ़ता है, लेकिन शरीर और मन की सीमाएं भी सामने आने लगती हैं। आज की राजनीति पहले जैसी नहीं रही। अब केवल भाषण देना या चुनाव जीतना काफी नहीं। नेता को तकनीक समझनी होती है, युवाओं की आकांक्षाएं सुननी होती हैं, बदलती अर्थव्यवस्था पर नजर रखनी होती है और तेज फैसले लेने होते हैं। ऐसे समय में यदि कोई नेता शारीरिक रूप से कमजोर हो, चलने-फिरने में कठिनाई हो या लंबे समय तक बोल न पाता हो, तो वह कितनी प्रभावी भूमिका निभा पाएगा? केवल पद

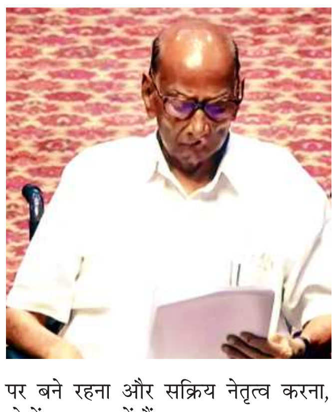

पर बने रहना और सक्रिय नेतृत्व करना, दोनों अलग बातें हैं।

शरद पवार के मामले में यह सवाल इसलिए गंभीर हो जाता है, क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र और देश की राजनीति में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाई है। उनके अनुभव और राजनीतिक कौशल पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन राज्यसभा में शपथ के दौरान उनकी हालत ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। कांपती आवाज और थकी हुई देह देखकर हर किसी के मन में एक ही सवाल उठा—क्या इस अवस्था में वे राज्यसभा में प्रभावी भूमिका निभा पाएंगे? क्या वे किसानों, युवाओं, उद्योगों और विकास के मुद्दों पर पहले जैसी सक्रियता दिखा पाएंगे? जब शरीर जवाब देने लगे, तब कुर्सी पर बने रहना ताकत नहीं, विवशता लगने लगता है।

अब समय आ गया है कि राजनीति में भी सेवानिवृत्ति की एक स्पष्ट सीमा तय हो। यदि 75 या 80 वर्ष के बाद नेता सक्रिय पद छोड़कर मार्गदर्शक बनें, तो इससे राजनीति कमजोर नहीं, बल्कि अधिक मजबूत होगी। उनका अनुभव और प्रभाव खत्म नहीं होगा; वे सलाहकार, संरक्षक और प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे। लेकिन नेतृत्व उन लोगों के हाथों में जाएगा, जिनके पास ऊर्जा, नई सोच और बदलते समय के साथ चलने की क्षमता है। लोकतंत्र की असली ताकत इसी संतुलन में है—जहां अनुभव रास्ता दिखाए और नई पीढ़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाले।

आज देश की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई दल कुछ पुराने चेहरों तक सिमट गए हैं। नई सोच, नए विचार और नए नेतृत्व के लिए जगह ही नहीं बची। हजारों युवा कार्यकर्ता वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन आगे बढ़ नहीं पाते, क्योंकि ऊपर की जगह खाली नहीं होती। नतीजा यह होता है कि निराशा बढ़ती है, संगठन जड़ हो जाता है और जनता का भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। जब नई पीढ़ी को मौका नहीं मिलेगा, तो युवाओं की समस्याएं कौन समझेगा? बेरोजगारी, शिक्षा, तकनीक, कृषि, स्टार्टअप और बदलती अर्थव्यवस्था को वही पीढ़ी बेहतर समझ सकती है, जो इन्हें खुद जी रही है। इसलिए अब समय है कि नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोला जाए।

कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि यदि कोई नेता स्वस्थ है, तो उसे राजनीति में बने रहने का अधिकार है। यह बात कुछ हद तक सही है, लेकिन केवल स्वस्थ होना काफी नहीं। राजनीति में बने रहने का फैसला केवल व्यक्ति की इच्छा नहीं, लोकतंत्र की जरूरत से तय होना चाहिए। यदि हर वरिष्ठ नेता खुद को सक्षम बताकर पद छोड़ने से इंकार करे, तो नई पीढ़ी को अवसर कब मिलेगा? लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि कोई भी पद स्थायी नहीं होता। व्यक्ति पद से बड़ा नहीं होता। उसका सम्मान तब और बढ़ता है, जब वह सही समय पर पीछे हटने का साहस दिखाए। कुर्सी छोड़ना हार नहीं, कई बार सबसे बड़ी जीत होती है।

राज्यसभा में 6 अप्रैल 2026 को सामने आया वह क्षण केवल शरद पवार की निजी अवस्था का दृश्य नहीं था; वह भारतीय राजनीति के लिए एक गहरी चेतावनी बनकर उभरा। उसने साफ संकेत दिया कि जब शरीर जवाब देने लगे, तब अंततः कुर्सी भी किसी नेता को सहारा नहीं दे सकती। सच्चा और महान नेता वही होता है, जो केवल सत्ता पर बने रहना नहीं जानता, बल्कि सही समय पर सम्मान के साथ उसे छोड़ने का साहस भी रखता है। आज शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेताओं के सामने यह अवसर है कि वे स्वयं आगे बढ़कर राजनीति में सेवानिवृत्ति की नई परंपरा शुरू करें। यदि वे सम्मानपूर्वक पीछे हटकर नई पीढ़ी के लिए रास्ता खोलते हैं, तो वही उनका सबसे बड़ा, सबसे प्रेरक और सबसे ऐतिहासिक योगदान माना जाएगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

राष्ट्र : एक चिरंतन सांस्कृतिक इकाई, न कि राजनीतिक या सामाजिक समझौता

राष्ट्र के प्रति 'कृतज्ञता' का भाव और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति 'अविचल निष्ठा' मात्र कोई वैचारिक आग्रह या संवैधानिक औपचारिकता नहीं है। यह तो उस सभ्य, सुसंस्कृत और उत्तरदायी समाज के निर्माण की अनिवार्य पूर्वशर्त है, जो अपनी जड़ों से जुड़ा होना चाहता है। समकालीन विमर्श में अक्सर 'राष्ट्र बनाम मजहब' का एक कृत्रिम विवाद खड़ा करने का प्रयास किया जाता है। तथाकथित आधुनिकतावादी और कट्टरपंथी तत्व यह भ्रम फैलाते हैं कि राष्ट्र मात्र एक राजनीतिक अनुबंध है, जो कुछ ही दशकों या सदियों पहले अस्तित्व में आया। वे तर्क देते हैं कि मजहब या पंथ अधिक प्राचीन और गहन हैं। किंतु भारतीय मनीषा के अनुसार, राष्ट्र कोई निर्जीव भू-भाग या प्रशासनिक ढांचा नहीं है; यह एक 'जीवंत इकाई' है, जिसकी अपनी एक आत्मा और चिति है।

मजहब और राष्ट्र: संरक्षण बनाम साधना- पंथ या मजहब व्यक्ति की व्यक्तिगत उपासना पद्धति और अंत:चेतना का विषय हो सकता है, परंतु राष्ट्र वह 'समष्टिगत आधार' है जिसके बिना किसी भी प्रकार की उपासना की सुरक्षा संभव नहीं है। इतिहास और वर्तमान का वैश्विक परिदृश्य साक्षी है कि जब-जब राष्ट्र दुर्बल हुआ, व्यक्तिगत आस्थाएं और पंथ भी सुरक्षित नहीं रहे। राष्ट्र वह 'मूलाधार' है, जो समाज को सुरक्षा, व्यवस्था और पहचान प्रदान करता है। धार्मिक स्वतंत्रता का उपभोग भी एक संप्रभु और सुदृढ़ राष्ट्र के आँगन में ही संभव है। अतः राष्ट्र की सुरक्षा और सर्वोपरिता किसी भी पंथिक पहचान से ऊपर है।

राष्ट्रीय प्रतीक: हमारी सामूहिक चेतना के संवाहक- राष्ट्र का नक्शा, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को मात्र 'प्रतीक' मानना उनकी महत्ता को कमतर आंकना है।ये प्रतीक उस दीर्घकालिक 'सांस्कृतिक सातत्य' और पूर्वजों के पुरुषार्थ के जीवंत रूप हैं। ये हमारी सामूहिक स्मृति, त्याग और उस संकल्प के प्रतीक हैं, जिसने हमें एक सूत्र में पिरोया है। इन प्रतीकों के प्रति श्रद्धा का अभाव वस्तुतः उस 'राष्ट्र-धर्म' के प्रति विमुखता है, जो हमें नागरिकता के अधिकारों से पहले कर्तव्यों का बोध कराता है। राष्ट्र के प्रति निष्ठा कोई विकल्प नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का 'स्वधर्म' है।

नागरिकता: मात्र विधि नहीं, एक संस्कार- नागरिकता का अर्थ केवल नियमों का पालन करना या टैक्स देना मात्र नहीं है। यदि नागरिकता केवल कानून तक सीमित है, तो मनुष्य एक यंत्र बनकर रह जाएगा। वास्तविक नागरिकता वह 'भावात्मक अनुशासन' है, जो व्यक्ति को स्वार्थ से ऊपर उठकर 'परम वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं' (अपने राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने) के लिए प्रेरित करती है। जब समाज अपनी पहचान को मजहबी संकीर्णता में बांटता है, तो राष्ट्र का विघटन सुनिश्चित हो जाता है। राष्ट्र के प्रति समर्पण ही वह सेतु है, जो विभिन्न पंथों के अनुयायियों को एक साझा संस्कृति और साझा भविष्य से जोड़ता है।

राष्ट्रवाद कोई बौद्धिक विलासिता या सामयिक विचार नहीं है, बल्कि यह वह 'अधिष्ठान' है जिससे हमारी सुरक्षा और अस्तित्व जुड़ा है। मजहब व्यक्तिगत हो सकता है, परंतु राष्ट्र 'सार्वभौमिक' है। यदि राष्ट्र की यह आधारभूमि डगमगाती है, तो समाज की समस्त सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संरचनाएं स्वतः ही ढह जाएंगी। अतः राष्ट्र की आराधना ही सर्वश्रेष्ठ उपासना है।

– **राजकुमार जैन,** स्वतंत्र चिंतक

आंचलिक

रेलवे ट्रैक के नीचे पेयजल पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू

5 वार्डों में पानी पहुंचाने के लिए खुदाई जारी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिले के नेपानगर में 34 करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना के तहत पांच वार्डों में पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हो गया है। रेलवे ट्रैक के नीचे से पाइपलाइन डालने के लिए संजय नगर के पास खुदाई की जा रही है। इस परियोजना से लगभग छह से आठ हजार की आबादी को लाभ मिलेगा।

यह परियोजना नेपानगर के 24 वार्डों में से 19 वार्डों में कुछ महीने पहले ही पेयजल वितरण शुरू कर चुकी है। हालांकि, वार्ड नंबर एक से पांच तक के पांच वार्डों में रेलवे लाइन बीच में होने के कारण पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इन वार्डों में पाइपलाइन बिछाने का काम हाल ही में शुरू किया गया है।

नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील ने मौके पर पहुंचकर काम का निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे के अधिकारी भी मौजूद थे। खुदाई के लिए आधुनिक मशीनें लगाई गई हैं, ताकि रेलवे ट्रैक के नीचे से पाइपलाइन बिछाई जा सके। इन पांच वार्डों में पाइपलाइन बिछाने में पहले कई बाधाएं आईं। कभी रेलवे से अनुमति मिलने में देरी हुई, तो कभी अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पाइपों की आपूर्ति प्रभावित हुई। अब रेलवे से अनुमति मिलने और पाइप उपलब्ध होने के बाद काम तेजी से चल रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील ने बताया कि रेलवे अधिकारियों और पेयजल परियोजना के अधिकारियों ने भी स्थल का निरीक्षण किया, क्योंकि रेलवे की केबल और मोबाइल कंपनियों की लाइनें भी इसी क्षेत्र से गुजर रही हैं। उम्मीद है कि यह काम लगभग एक महीने के भीतर पूरा हो जाएगा। वर्तमान में नगर पालिका इन वार्डों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति कर रही है।

2020 में नगर में हर घर जल पहुंचानेके लिए 34.35 करोड़ की लागत से पेयजल परियोजना स्वीकृत हुई थी, लेकिन इसक काम समय पर पूरा नहीं हुआ। कुछ माह पहले ही 19 वार्ड में यह चालू हो पाई है। यह काम 2022 में ही पूरा हो जाना था, लेकिन कुछ माह पहले ही पूरा हुआ। नपाध्यक्ष के अनुसार अभी संजय नगर के पास रेलवे ट्रैक के नीचे से खुदाई का काम चालू कराया गया है। इसके लिए आधुनिक मशीनें लाई गई है। पहले लोहे के पाइप डाले जाएंगे इसके अंदर पेयजल परियोजना की पाइप लाइन डलेगी ताकि ट्रैक के नीचे से लाइन होने पर किसी तरह की दिक्कत आगे चलकर भी न आए।

कसरावद रोड चौड़ीकरण अधूरा, 3 माह से काम बंद

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • शहर को कसरावद क्षेत्र से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग कसरावद रोड का चौड़ीकरण कार्य तीन माह से बंद पड़ा है। अधूरी सड़क और जगह-जगह उखड़े हिस्सों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। नगर पालिका ने कायाकल्प योजना के तहत सड़क को 18 मीटर चौड़ा करने का काम शुरू कराया था, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा बीच में काम रोक देने से पूरा प्रोजेक्ट अधर में लटक गया है। करीब 5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क में अब तक केवल 60 लाख रुपए का ही भुगतान किया गया है। नगर पालिका ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया है और भुगतान पर रोक लगा दी है। 9 मीटर से 18 मीटर होना था मार्ग पहले 9 मीटर चौड़ी इस सड़क को 18 मीटर करने की योजना बनाई गई थी, ताकि बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके। लेकिन काम की धीमी गति के कारण डिवाइडर और सेंट्रल लाइटिंग जैसे अहम कार्य अब तक शुरू भी नहीं हो पाए हैं। पोल शिफ्टिंग का काम पूरा होने के बावजूद निर्माण आगे नहीं बढ़ा।क्षेत्र के रहवासियों और वाहन चालकों का कहना है कि अधूरी सड़क और उखड़े हिस्सों के कारण रोजाना जाम और दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

हरसूद रोड पर आइशर और डंपर की भिड़ंत से केबिन पिचका

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा• हरसूद रोड पर शुक्रवार दोपहर आइशर और रेत से भरे डंपर भिड़ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि आइशर वाहन का अगला हिस्सा पिचक गया। उसमें फंसे ड्राइवर को लोगों ने बाहर निकाला। कोतवाली पुलिस के अनुसार दुर्घटना सेंट्रल स्कूल के पास हुई। रेत से भरा ट्रक हरसूद रोड से आ रहा था। तभी सामने आ रही आइशर में उसने टक्कर मार दी। जिसमें आइशर का केबिन टूटकर पिचक गया। ड्राइवर को लोगों ने बाहर निकाला।

बोरसर गांव में बच्चों के लिए लाइब्रेरी भी खोली

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिले के बोरसर गांव में अपशब्दों के प्रयोग पर 500 रुपए का जुर्माना या एक घंटे तक गांव में झाड़ू लगाने का नियम लागू किया गया है। इस अनोखी पहल के कारण गांव में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अब गाली-गलौज करने से बच रहे हैं।जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित बोरसर गांव की आबादी करीब 6 हजार है। ग्राम पंचायत बोरसर के सरपंच अंतरसिंह, उपसरपंच विनोद शिंदे और समाजसेवी अश्विन पाटिल ने मिलकर गांव को गाली-गलौज मुक्त बनाने का संकल्प लिया था। इसी के तहत यह नियम लागू किया गया है। पंचायत का दावा है कि उनका गांव अब अपशब्दों से मुक्त हो चुका है।

समाजसेवी अश्विन पाटिल, जो पहले फिल्मों में काम करते थे, 10 साल बाद अपने गांव लौटे। उन्होंने पाया कि गांव में होने वाले अधिकांश विवादों का मुख्य कारण गाली-गलौज था। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों और गांव के बुजुर्गों के साथ बैठक की। इस बैठक में सर्वसम्मति से गांव को गाली-मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया।

इस नियम की निगरानी के लिए 20 पंचों की एक टीम बनाई गई है, जो प्रत्येक वार्ड में नजर रखती है। गांव में बच्चों और युवाओं के लिए एक लाइब्रेरी भी खोली गई है। इसके अतिरिक्त, चार स्थानों पर मुफ्त वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे ग्रामीण मुफ्त इंटरनेट का लाभ उठा रहे हैं। गांव में हरियाली बनाए रखने के लिए पौधारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है।

पेंशन हितग्राहियों का घर-घर होगा सत्यापन, निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार एनएसएपी योजना के अंतर्गत इंदिरा गांधी वृद्धा पेंशन, इंदिरा गांधी विधवा पेंशन और इंदिरा गांधी निशक्त पेंशन प्राप्त कर रहे हितग्राहियों के डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) का सत्यापन किया जाएगा। यह सत्यापन मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से घर-घर जाकर किया जाएगा।

इस कार्य के लिए नगर निगम कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने गुरुवार शाम एमआईसी हॉल में एक बैठक ली। इसमें कर्मचारियों को ई-केवाईसी और डीएलसी सत्यापन का कार्य घर-घर जाकर संपादित करने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने नगरीय निकाय क्षेत्र के पेंशनधारियों को समग्र आईडी ई-केवाईसी की प्रक्रिया भी पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर निगम को प्रतिदिन ई-केवाईसी कार्य की रिपोर्ट विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

350 किमी पैदल धम्मयात्रा बुरहानपुर पहुंची, अकोला से शुरू हुई यात्रा का महू में होगा समापन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • महाराष्ट्र के अकोला जिले से शुरू हुई सामूहिक धम्मयात्रा बुधवार शाम 350 किलोमीटर से अधिक की पैदल दूरी तय कर बुरहानपुर जिले में प्रवेश कर गई। यह यात्रा 28 मार्च को अकोला की अशोक वाटिका से प्रारंभ हुई थी और इसका समापन 14 अप्रैल को जन्मभूमि महू में होगा।

यह धम्मयात्रा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। इस वर्ष यह यात्रा प.पु. भिक्खु ज्ञानज्योती महाथेरो के मार्गदर्शन में चल रही है। इसमें इंजीनियर राजश्री इंगले सहित कई अन्य लोग भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कई जिलों से गुजरते हुए, यह यात्रा बुरहानपुर जिले के इच्छापुर, शाहपुर, नेर और भातखेड़ा से होकर मोहम्मदपुर पहुंची। मोहम्मदपुर में यात्रियों के लिए विश्राम और भोजन दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों लोगों ने धम्मदेशना सुनी। इसके बाद गांव के निवासियों के लिए भी सार्वजनिक भोजन दान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर भंते ने कहा कि भगवान बुद्ध ने हमें शांति का संदेश दिया है और हमें सभी कार्य शांतिपूर्ण ढंग से करने चाहिए। महाराष्ट्र सीमा से भीम आर्मी के राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष दत्तू मेढ़े भी पैदल चलकर बुरहानपुर के मोहम्मदपुर तक इस यात्रा में शामिल हुए। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीण और वार्ड निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गौतम तायड़े, गोकुल तायड़े, प्रेम कोसोदे, धीरेन्द्र सोनवने, जीतू मेढ़े, सुनील तायड़े, जितेंद्र तायड़े, बबलू इंगले, धम्म चैतना बुद्ध विहार मोहम्मदपुरा और ग्राम भातखेड़ा से निर्वाण पानपाटिल, सचिन तायडे, राहुल तायडे, देवानंद आठवले, कपिल तायडे, लकी पानपाटिल, ललित पान पाटिल, पवन तायडे, आर्यन तायडे, आतिश तायडे तथा अर्जुन तायडे सहित कई अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी) ● पांच बार की विजेता और इस समय लडखड़ा रही चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब तक का सफर काफी कड़वा रहा है। लगातार तीन हार झेलने के बाद, घरेलू मैदान पर खेल रही यह पसंदीदा टीम शनिवार रात एमए चिदंबरम स्टेडियम में एक अहम आईपीएल मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स का सामना करते हुए अपनी किस्मत पलटने की उम्मीद करेगी। टीम के प्रदर्शन से यह साफ जाहिर होता है कि उसे अपने दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी की कमी कितनी खल रही है। धोनी ड्क्षपडली की मांसपेशियों में ड्क्षखचाव से उबर रहे थे, जिसके चलते वे शुरुआती दो हफ्तों तक मैदान से बाहर रहे। अच्छी खबर यह है कि वे तेज़ी से ठीक हो रहे हैं और अगले मुकाबले में उनकी वापसी की पूरी संभावना है। चोट से उबर चुके डेवाल्ड ब्रेविस की संभावित वापसी इस अहम मुकाबले में टीम के मध्यक्रम को मजबूती देगी। इस मैच में जीत 'येलो ब्रिगेड' की किस्मत को फिर से चमका सकती है।

मुंबई ● वैभव सूर्यवंशी की कल की शानदार पारी पर किंग विराट कोहली ने वैभव की कैप पर अपना ऑटोग्राफ दिया।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी) ● आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

विद्या बालन : एक ऐसी अभिनेत्री, जो हर भाषा में रचती हैं जादू

मुंबई (एजेंसी) ● विद्या बालन ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अपनी फिल्मों के चयन से लेकर अपने किरदारों की गहराई तक, विद्या ने हर बार यह साबित किया है कि वह एक सशक्त और बहुमुखी कलाकार हैं। विद्या बालन की खास बात यह है कि उन्होंने भाषा की सीमाओं को कभी अपने काम के बीच नहीं आने दिया। हिंदी के साथ-साथ उन्होंने विभिन्न भाषाओं और लहजों में सहजता से काम किया है। उनकी संवाद अदायगी, उच्चारण और भावनात्मक पकड़ हर भाषा में उतनी ही प्रभावशाली रहती है। चाहे वह किसी छोटे शहर की महिला का किरदार हो या एक मजबूत, आत्मनिर्भर व्यक्तित्व, विद्या हर भूमिका में पूरी सच्चाई के साथ उतरती हैं। यही कारण है कि देशभर के दर्शक उनसे खुद को जोड़ पाते हैं, चाहे उनकी भाषा या क्षेत्र कोई भी हो।

शिवानी के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर उतरीं सहर बंबा

मुंबई (एजेंसी) ● आगामी सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अभिनेत्री सहर बंबा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सहर बंबा हाल ही में एक फैशन इवेंट में डिजाइनर शिवानी निरुपम के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर उतरीं। इस मौके पर सहर ने फैशन की दुनिया से जुड़े दबावों और इंटरनेट पर खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वाले आलोचकों के साथ-साथ ट्रोलर्स को लेकर अपनी बेबाक राय साझा की। सहर ने स्पष्ट किया कि वह इन सभी बाहरी प्रभावों का बिल्कुल भी दबाव नहीं लेतीं और अपने सहज स्टाइल पर कायम रहती हैं। यह पूछे जाने पर कि वह फैशन से जुड़े इन दबावों से कैसे निपटती हैं, सहर ने बेबाकी से कहा, अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस सेंस या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल करेगा, तो आप खुद पर बेवजह बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह वास्तविकता है कि लोग अपनी राय रखते हैं और कमेंट करते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि एक व्यक्ति को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए।

उज्जैन संभाग

'मोबाइल चाय' का अनोखा स्टार्टअप 5 की चाय, घर-घर डिलीवरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● फ्रीगंज इलाके में इन दिनों एक अनोखी 'मोबाइल चाय सेवा' लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। गणेशपुरा, मक्सी रोड निवासी पूनमचंद यादव ने अपनी बाइक को ही चलती-फिरती चाय की दुकान में बदल दिया है, जहां हर ग्राहक को गरमा-गरम चाय मिलती है। पूनमचंद यादव ने अपनी बाइक की डिग्गी पर 5 किलो की गैस टंकी और छोटा स्टोव फिट कर रखा है। इसी पर वे लगातार चाय गर्म रखते हैं और करीब 5 किलोमीटर के दायरे में घूम-घूमकर चाय की सप्लाई करते हैं। एक कप चाय की कीमत मात्र 5 है। वे रोजाना करीब 200 से 250 कप चाय बेचते हैं। उनका समय सुबह 7:30 बजे से 11 बजे तक रहता है। फ्रीगंज, सब्जी मंडी, अस्पताल, दुकानों और ठेलों तक वे अपनी सेवा पहुंचाते हैं।

खास बात यह है कि वे ग्राहकों को स्वाद पसंद न आने पर पैसे वापस करने की गारंटी भी देते हैं। पूनमचंद यादव के परिवार में पत्नी उषा यादव (हॉउस वाइफ), बेटी निकिता और बेटा ऋषभ हैं। पूरा परिवार इस काम में उनका सहयोग करता है।

पहले वे मंडी में पोहा बेचने का काम करते थे, लेकिन कोरोना लॉकडाउन में रोजगार ठप हो गया। इसके बाद उन्होंने नए तरीके से चाय बेचने का आइडिया अपनाया। फ्रीगंज में सैलून चलाने वाले जगदीश देवड़ा बताते हैं कि चाय का स्वाद बेहतरीन है और दुकान तक सर्विस मिलती है। पेपर और स्टील कप का विकल्प भी उपलब्ध है। महंगाई के दौर में सस्ती चाय होने से यह और लोकप्रिय हो गई है। कई व्यापारी दिन में 3-4 बार उनकी चाय लेते हैं। पूनमचंद बताते हैं कि एक मित्र के सुझाव पर उन्होंने बाइक पर यह सेटअप तैयार किया। आज यह 'मोबाइल चाय' मॉडल न सिर्फ उनकी रोजी-रोटी का जरिया है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नई सोच की मिसाल भी बन गया है।

बोरवेल में टूटी भागीरथ की सांसें ; 22 घंटे बाद निकला शव

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन जिले के बड़नगर में 2 साल के भागीरथ देवासी की 200 फीट गहरे बोरवेल में फंसने से मौत हो गई। करीब 22 घंटे के रेस्क्यू के बाद स्ठत्रत्र-ह्ष्ठत्रत्र टीम ने लोहे की छड़, रस्सी और मोटर निकालने वाली मशीन से शव बाहर निकाला। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया। परिजन ने अंतिम संस्कार कर दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने माता-पिता को 4 लाख रुपए सहायता देने की घोषणा की और दुख जताया। भागीरथ के पिता पूसाराम ने दैनिक भास्कर से बताया- वह राजस्थान के पाली से भेड़ चराने आए थे। दो दिन पहले यहां से गया था, तब वो ठीक था। परसों ही उससे बात की थी। आज हमारा बेटा हमारे साथ नहीं है। अगर पता होता कि यहां ऐसा होगा, बेटे को कभी लेकर नहीं आता। घटना स्थल पर वह रो पड़े।

मां बोली- आंखों के सामने बेटा गहराई में समाया

भागीरथ की मां जत्तूबाई ने बताया कि डेरे लौटते वक्त बेटा उनसे 4-5 कदम पीछे चल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह अंदर गिर गया। आवाज सुनकर पीछे मुड़ीं तो देखा कि वह खुले बोरवेल में गिर गया। आंखों के सामने बेटा गहराई में समा गया।

पंचकोशी यात्रा, 2 दिन पहले ही पहुंचे श्रद्धालु, 12 अप्रैल से यात्रा की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में 118 किलोमीटर लंबी पंचकोशी यात्रा 12 अप्रैल से शुरू हो रही है, लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह ऐसा है कि लोग दो दिन पहले ही उज्जैन पहुंचने लगे हैं। यह यात्रा नागचंद्रेश्वर मंदिर से शुरू होती है, जहां श्रद्धालु नारियल चढ़ाकर भगवान से शक्ति मांगते हैं ताकि यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर सकें। इंदौर, बडनगर, इंगोरिया और आसपास के इलाकों से लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कुछ लोग पहली बार आए हैं, जबकि कई श्रद्धालु वर्षों से लगातार पंचकोशी यात्रा कर रहे हैं। नागचंद्रेश्वर मंदिर से जुड़ी शीला शर्मा के मुताबिक, हर साल करीब 2 से 3 लाख लोग इस यात्रा में भाग लेते हैं। इस बार यात्रा में शामिल कई युवा छात्रों ने तय किया है कि वे यात्रा के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे। वे फोन का इस्तेमाल सिर्फ परिवार से बात करने के लिए करेंगे। एक छात्रा ने बताया कि वह 11वीं कक्षा में पढ़ती है और पहली बार आस्था के चलते यात्रा कर रही है। करौंदिया गांव से परिवार के साथ आईं मनीषा भाटी ने बताया कि वे पहली बार यात्रा पर आई हैं, हालांकि उनकी दादी पहले भी यह यात्रा कर चुकी हैं। राज कुंवर बाई ने बताया कि वे पिछले तीन साल से लगातार पंचकोशी यात्रा कर रही हैं और उनकी तीन बहनें अलग-अलग गांवों से आकर साथ यात्रा करती हैं। बांसवाड़ा गांव से आईं रता बाई ने बताया कि उन्हें चलने में थोड़ी समस्या है, इसलिए वे धीरे-धीरे यात्रा करती हैं। उन्होंने बताया कि वे सभी साथ रहते हैं, जहां रुकते हैं वहीं खाना बनाते हैं, जिसमें दाल-रोटी और चावल शामिल होते हैं। श्याम कुंवर ने बताया कि वे घर से घी, आटा, दाल, पैसे और कपड़े जैसी सभी आवश्यक सामग्री लेकर पूरी तैयारी के साथ यात्रा पर निकली हैं।

उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण, मंदिर की प्रतिमाएं विस्थापित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 के कार्यों के तहत सड़क चौड़ीकरण जारी है। इसी क्रम में इंदौर रोड स्थित पंचमपुरा में एक माताजी मंदिर की प्रतिमाओं को स्थानीय लोगों की उपस्थिति में विधि-विधान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया गया। यह स्थानांतरण आपसी सहमति से हुआ। इंदौर रोड पर दो तालाब से टैगोर चौराहा तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना चल रही है। पंचमपुरा इलाके में स्थित माताजी मंदिर इस मार्ग के चौड़ीकरण में बाधा बन रहा था, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर सहमति बनाई गई। स्थानीय पार्षद और क्षेत्र के निवासियों की मौजूदगी में मंदिर की प्रतिमाओं को विधि-विधान से पूजन-पाठ के बाद दूसरे मंदिर में स्थापित किया गया। इस प्रक्रिया में ढोल के साथ धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए। स्थानीय पार्षद राजेंद्र कुंवाल ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के बाद उसी स्थान पर मंदिर का पुनः निर्माण किया जाएगा और प्रतिमाओं की विधिवत पुनः स्थापना की जाएगी। इस दौरान पार्षद राजेंद्र कुंवाल, ओमप्रकाश मोहने, मोनू वर्मा, किशोर मोहने और उपयंत्री मुकुल मेश्राम सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

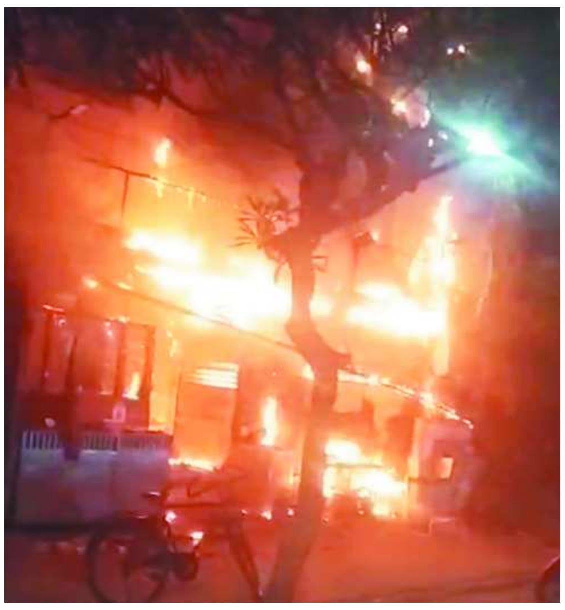

रेस्टोरेंट में भडक़ी आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शुक्रवार को स्कीम नंबर 78 स्थित आरती रेस्टोरेंट (भोजनालय) में अचानक आग की लपटें उठी चंद मिनटों में रेस्टोरेंट जलकर खाक हो गया। लाखों के नुकसान की बात सामने आई है। करीब दो हजार लीटर पानी का प्रयोग कर आग बुझाई गई। फायर बिग्रेड के अनुसार रेस्टोरेंट में आग लगने की सूचना शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाडियां तुरंत मौके पर पहुंच गई थी लेकिन तब तक रेस्टोरेंट के अंदर रखा सामान जलकर खाक हो गया था। अग्निकांड में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। संभवत: आग शार्ट सर्किट से लगी थी।

विभाग की सतत कार्रवाई, बिना पंजीयन संचालित किराना दुकान को कराया बंद

खाद्य पदार्थों में चूहों की बीट मिली तो कई खाद्य पदार्थ एक्सपायरी डेट के थे, जांच के सैंपल लिए

एक्सपायरी खाद्य पदार्थ नष्ट, विभिन्न प्रतिष्ठानों से नमूने लिए गए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा जागरूक नागरिकों से प्राप्त शिकायतों एवं नियमित निरीक्षण के तहत शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। लिम्बोदी, खंडवा रोड स्थित गोपाल किराना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में वैध खाद्य पंजीयन उपलब्ध नहीं पाया गया। साथ ही खुले में बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों में चूहों की बीट पाई गई तथा कई खाद्य पदार्थ एक्सपायरी तिथि के बाद भी संधारित पाए गए। उक्त स्थिति को गंभीरता से लेते हुए धनिया पाउडर एवं मूंग दाल के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैध अनुज्ञप्ति प्राप्त कर आवश्यक शर्तों का पालन सुनिश्चित किए जाने तक खाद्य कारोबार को स्थगित करवाया गया।

नहीं मिली साफ-सफाई-इसी क्रम में विजयनगर स्कीम नंबर 54 स्थित फर्म फूड फेंटेसी (एमपी 09 रेस्टोरेंट) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक अलमारी में एक्सपायर फ्रूट स्क्वैश

एवं फूड क्रश पाए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही पनीर एवं मलाई कोफ्ता के नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण के दौरान किचन में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित विक्रेता को नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त 14-बी सिंधी कॉलोनी स्थित नेशनल आइसक्रीम एंड फ्रोजन फूड का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेता को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए तथा हाथ ठेले में बेचे जा रहे विभिन्न प्रकार के फ्रोजन डेजर्ट में से कुल्फी, मैंगो आइस कैंडी एवं शक्कर के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही विजयनगर स्कीम नंबर 54 स्थित द पवेलियन रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया गया, जहां विक्रेता को खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं किचन में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्राथमिकता-कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी मिलावटी, एक्सपायरी या संदिग्ध खाद्य पदार्थों का विक्रय होता दिखाई दे तो इसकी सूचना प्रशासन को दें, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही खाद्य कारोबार संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए वैध लाइसेंस पंजीयन तथा स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

इंस्टाग्राम पर केस, मेटा के एंड टू एंड एन्क्रिप्शन हटाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर हाईकोर्ट में मेटा के इंस्टाग्राम एन्क्रिप्शन फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका में प्राइवेसी के खतरे की बात उठाई गई है। कोर्ट ने इस मामले को डिजिटल डाटा बोर्ड को भेज दिया है और 6 मई तक फैसला लेने के लिए कहा है। मध्यप्रदेश के इंदौर हाईकोर्ट की खंडपीठ में मेटा के खिलाफ एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एन्क्रिप्शन सुविधा खत्म करने के फैसले को चुनौती दी गई है। ये जनहित याचिका अधिवक्ता पार्थ शर्मा ने लगाई है।

इसमें हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ ने एक अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हस्तक्षेप करते हुए नवगठित डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड के पास जाने का निर्देश दिया है।

याचिका में प्राइवेसी के खतरे को उठाया गया-याचिकाकर्ता और अधिवक्ता पार्थ शर्मा ने कहा कि मेटा 8 मई, 2026 के बाद इंस्टाग्राम पर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा बंद

कर देगा। उनका कहना है कि एन्क्रिप्शन हटने से नागरिकों के संदेशों तक अनधिकृत पहुंच हो सकती है।

यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में दिए गए 'निजता के अधिकार' का उल्लंघन है। इससे लोगों की प्राइवेसी को खतरा होगा। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के.एस. पुट्टास्वामी मामले के ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया गया।

हाईकोर्ट ने यह दिया अहम आदेश-दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, इंदौर हाईकोर्ट खंडपीठ ने एक अहम आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को 7 दिनों के अंदर एक्ट में गठित बोर्ड के सामने अपना अभ्यावेदन पेश करना होगा। साथ ही, कोर्ट ने बोर्ड को भी आदेश दिया कि वह याचिकाकर्ता को सुनवाई का मौका दे और 06 मई 2026 से पहले एक तर्कसंगत और विस्तृत आदेश पारित करे।

हाईकोर्ट 6 मई को देखेगा क्या हुआ-चूंकि मेटा 08 मई से एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा बंद कर देगा, इसलिए हाईकोर्ट ने बोर्ड को 6 मई तक फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही, कोर्ट 06 मई को सुनवाई करेगा, जिसमें बोर्ड द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा की जाएगी।

शासन और मेटा ने यह दिया जवाब

भारत सरकार की ओर से उपस्थित एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सुनील कुमार जैन ने कहा कि याचिकाकर्ता को पहले डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित वैधानिक बोर्ड के पास जाना था। डाटा संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए बोर्ड ही सक्षम प्राधिकारी है।

टैक्सी ड्राइवर के सुसाइड वीडियो मामले में एसआई के बाद राजेंद्र नगर टीआई बिरथरे लाइन अटैच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में टैक्सी ड्राइवर सुसाइड केस में बड़ा एक्शन हुआ है। एसआई को सस्पेंड करने के बाद राजेंद्र नगर टीआई नीरज बिरथरे को लाइन अटैच किया गया है। वीडियो में रिश्वत मांगने के आरोप लगे थे। अब मामले की जांच जारी है। इंदौर में मंगलवार सात अप्रैल को टैक्सी ड्राइवर अभिषेक पाटिल ने सुसाइड किया था। अभिषेक के सुसाइड केस में पुलिस पर मुसीबत आ गई है। इस केस में राजेंद्र नगर टीआई नीरज बिरथरे को लाइन अटैच कर दिया गया है, जबकि एसआई मनोहर पाल पहले ही सस्पेंड हो चुके हैं। अभिषेक ने सुसाइड से पहले चार वीडियो बनाकर परिजनों को भेजे थे, जिनमें उन्होंने अपनी बात रखी थी।

इन वीडियो में राजेंद्र नगर थाने के एसआई मनोहर पाल पर 50 हजार रुपए मांगने का आरोप लगाया गया है। वीडियो में पाटिल ने एसआई पर कार्रवाई की मांग भी की थी। इसके बाद एसआई को सस्पेंड किया गया। जांच में राजेंद्र नगर टीआई नीरज बिरथरे (टीआई लाइन अटैच) का नाम सामने आया है। इसके बाद डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने कार्रवाई की। उन्हें लाइन अटैच कर दिया गया है। अब एसआई और टीआई दोनों की जांच हो रही है। एसीपी निधि सक्सेना इसकी जांच कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में घटना सामने आई। घटना के अनुसार अभिषेक की टैक्सी एक कार से टकराई थी। कार कपिल सोमानी की थी। सोमानी ने 25 हजार रुपए की मांग की। पाटिल ने मना किया तो सोमानी ने पुलिस बुला ली। आरोप है कि मामला सुलझाने के लिए थाने में एसआई पाल ने 50 हजार रुपए मांगे, नहीं देने पर फंसाने की धमकी दी गई। वहीं जब मामले की जांच की गई तो सीसीटीवी फुटेज में टीआई भी दिखे। फुटेज में वह अभिषेक से बात करते नजर आए। इससे टीआई की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। मई 2025 में इंदौर-मुंबई बस से एक करोड़ 30 लाख का हवाला केस पकड़ा गया था, जिसमें राजेंद्र नगर पुलिस की भूमिका और टीआई पर सवाल उठे थे। इससे पहले बाणगंगा टीआई रहते हुए लंदन विला डकैती मामले में आरोपी को जमानत मिलने पर भी उन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगे थे।

चमेली देवी कॉलेज में छात्रों के दो गुट भिड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • चमेली देवी कॉलेज में छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई। इसमें आपसी लड़ाई इतनी अधिक बढ़ गई कि कॉलेज के अध्यक्ष पर चाकू से हमला तक कर दिया। उक्त घटना का वीडियो सोश्यल मीडिया पर वायरल हुए। जानकारी के अनुसार छात्र संगठन चुनाव में मिली हार जीत के बाद दोनों गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था, जिसने शुक्रवार को मारपीट का रुप ले लिया। दरअसल कॉलेज में पिछले दिनों छात्र संगठन के चुनाव हुए। चुनाव में हार-जीत को छात्रों ने प्रतिष्ठा बना ली। हार जीत के बाद दोनों गुटों के बीच विवाद शुरु हो गया। शुक्रवार शाम दोनों गुटों का आमना सामना हुआ तो दोनों के बीच जमकर लात घूसें चले। इस दौरान पीयूष जाट और उसके साथियों ने कॉलेज के अध्यक्ष दुष्यंत पर चाकू से हमला कर दिया। सूत्रों की माने तो चाकू हाथ में लगा है। पुलिस ने घायल का मेडिकल करवाया। थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम का कहना हैं कि दुष्यंत की रिपोर्ट पर पीयूष जाट सहित उसके साथियों के खिलाफ मारपीट व अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों की तलाश की जा रही है जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

वीडियो वायरल-चुनाव में हार जीत के बाद चल रहा संघर्ष

निगम ने कई ठेकेदारों को जारी किए नोटिस, कार्रवाई एक पर भी नहीं की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम ने बीते 1 से 2 माह में ही 32 से अधिक ठेकेदार को कार्रवाई नाम पर केवल नोटिस भेजे हैं। वजह कई प्रोजेक्ट अधूरे हैं जो पूरे नहीं किए जा रहे हैं तो कई ठेकेदारों ने निगम से के अनुबंध नहीं किया हैं और वर्क ऑर्डर जारी होने के बावजूद काम की शुरुआत नहीं की है। बताया तो यह जा रहा है कि निगम कमिश्नर के निर्देश पर ठेकेदारों के नाम पर बार बार अंतिम चेतावनी के नोटिस तो जारी किए जा रहे हैं लेकिन कार्रवाई आगे नहीं की जा रही है जबकि इसके विपरीत निगम को अधिकार है कि वर्क ऑर्डर न केवल कैंसिल किया जाए बल्कि अर्नेस्ट मनी जो निगम में जमा है वह भी राशि जब्त की जा सकती है। अगर इस तरह से कई सख्ती से कार्रवाई की जाती है तो ठेकेदार वर्क ऑर्डर लेने के बाद काम कर सकता है। इधर ठेकेदारों ने पहले ही निगम से बराबर भुगतान नहीं होने की बात कही थी लेकिन बाद में कुछ ठेकेदारों ने फिर काम की शुरुआत की लेकिन आगे काम नहीं हो सका है। इस तरह से निगम

ने अभी तक 32 से अधिक ठेकेदारों को पत्र भेजा है जिसमें अंतिम चेतावनी पत्र भी कहा जा रहा है लेकिन इसके बाद कार्रवाई नहीं की जा रही उसी टेंडर को फिर से जारी जा सकता है। इसमें सबसे ऊ. 3 ड्रेनेज और जल यंत्रालय विभाग के ठेकेदार हैं जो वर्क ऑर्डर लेने के बाद भी न काम कर रहे हैं और न नगर निगम के साथ अनुबंध कर रहे हैं। अगर इस तरह से ठोस कार्रवाई ठेकेदार कंपनियों पर होती है तो फिर अर्नेस्ट मनी राजसात होने के डर से वर्क ऑर्डर लेने के बाद कंपनियाँ काम कर सकती हैं। निगम द्वारा एक तरह से दिखावे के नोटिस भी दिए जा रहे हैं।

मोनोपोली करने पर बड़ी कार्रवाई

एक ही जगह पर मिल रही थी किताबें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जिले में कॉपी-किताबें और यूनिफार्म खरीदी के संबंध में मोनोपोली करने की प्रवृत्ति को समाप्त करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा जारी किए गए प्रतिबंधात्मक आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को शिकायत मिलने पर एक स्कूल संचालक और कॉपी किताब विक्रेता के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्यालय कलेक्टर इन्दौर के हेल्पलाईन नम्बर पर योगेश द्वारा की गई शिकायत के संबंध गठित जांच दल द्वारा जांच की गई। जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार श्री सांई एकेडमी, डोंगरगांव, महू जिला इन्दौर का कोर्स केवल विद्याश्री स्टेशनरी, महू पर ही मिल रहा है। श्री सांई एकेडमी, डोंगरगांव का अत्यधिक कीमत वाला कोर्स एक ही दुकान श्री विद्याश्री स्टेशनरी महू से क्रय करने हेतु बाध्य किया जा रहा है, जिससे पालकों को अत्यधिक आर्थिक नुकसान हो रहा है।

हेल्पलाइन नम्बर जारी-कलेक्टर द्वारा श्री सांई एकेडमी, डोंगरगांव महू के संचालक-प्राचार्य तथा विद्याश्री स्टेशनरी महू के संचालक के विरूद्ध पुलिस एफ.आई.आर. दर्ज करायी जाकर अन्य कार्यवाही की जा रही है। इस हेल्पलाइन नम्बर 0731-2431117 पर अभिभावक सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

स्कूल संचालक और कॉपी-किताब विक्रेता के विरुद्ध एफआईआर

मुख्यमंत्री से मिले महापौर भार्गव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया।महापौर ने इंदौर नगर निगम द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किए गए डिजिटल बजट की जानकारी मुख्यमंत्री डॉ यादव को दी। साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत नक्शा शुल्क को सामान्य करने का आग्रह भी किया, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

मुलाकात के दौरान महापौर द्वारा जलूद में तैयार सोलर प्लांट के को विधिवत शुरू करने लेकर भी चर्चा हुई। इसके अलावा इंदौर नगर निगम के डिजिटल पोर्टल के संबंध में भी विस्तार से बातचीत की गई। महापौर ने पोर्टल के औपचारिक शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया।

कागजों में ही होते हैं सरकारी सुधार : शहर में 20 हजार से ज्यादा मल्टियां, 2 साल में सिर्फ 181 बिल्डिंगों में ही पार्किंग की जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सीतलामाता बाजार हो या दवा बाजार, जेल रोड या एमजी रोड... हर जगह बेतरतीब खड़े वाहन और बाजारों में पैदल चलने तक की जगह नहीं। बावजूद पार्किंग के नाम पर प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त मुहिम दो साल बाद भी सिर्फ बैठकों तक ही सीमित रही। 40 लाख आबादी वाले शहर में 20 हजार से ज्यादा मल्टियां हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 181 बिल्डिंगों की ही जांच या सर्वे हो सका है।

134 बहुमंजिला भवन सील किए गए हैं। 96 बिल्डिंग में ही बेसमेंट को पार्किंग में कन्वर्ट किया गया है। इनमें 87 में टू-व्हीलर तो 7 बिल्डिंगों में कार पार्किंग दोबारा शुरू हो सकी है। ये आंकड़े 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2026 तक के हैं। साल 2026 में जनवरी से अब तक 22 जोन में 67 बिल्डिंगों की जांच की गई है। इनमें से भी मात्र 27 में पार्किंग शुरू करवाई गई है।

07 बिल्डिंगों में कार पार्किंग दोबारा शुरू हो सकी है मुहिम अब तक बड़े बाजारों से दूर जेल रोड, दवा बाजार, खजूरी बाजार, छावनी, गीता भवन, ढक्कनवाला कुआं, साउथ तुकोगंज, रेसकोर्स रोड, हाई कोर्ट से मालवा मिल, अन्नपूर्णा रोड, विजय नगर से सुखलिया, शहर के प्रमुख अस्पतालों में कहीं भी बेसमेंट पार्किंग पूरी तरह नहीं हो रही है। सपना-संगीता रोड पर टू-व्हीलर मार्केट, टॉवर चौराहा से खातीवाला टैंक, भोलाराम उस्ताद मार्ग, बड़ा गणपति से राजमोहल्ला, एरोड्रम रोड पर भी अंडर ग्राउंड पार्किंग का पूरी तरह उपयोग नहीं हो रहा है। अधिकांश क्षेत्रों में ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें बनी हैं। यही हाल नई बन रही कॉलोनियों की मल्टियों में भी है। एबी रोड पर विजय नगर से एलआईजी तक सर्विस रोड पर खड़े वाहन बताते हैं कि पार्किंग नॉर्म्स का पालन नहीं हो रहा। सड़क किनारे ट्रैफिक रुकता है पिछले दिनों बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्देश दिए थे कि सड़क सुरक्षा के तहत प्रमुख रूप से पार्किंग स्पेस विकसित करने पर विशेष ध्यान देना होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।